दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 237
मुरादाबाद
(Friday)
19 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

PM मोदी को एक और सर्वोच्च सम्मान, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मिला ऑर्डर ऑफ ओमान

पीएम मोदी को अब तक 28 देशों से सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं, जो किसी भी भारतीय नेता के लिए रिकॉर्ड है। इनमें रूस का 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रू', यूएई का 'जायद मेडल', फ्रांस का 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर', मालदीव का 'रूल ऑफ इज्जुद्दीन' और नाइजीरिया, साइप्रस, फिजी जैसे देशों के प्रतिष्ठित पुरस्कार शामिल हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक और सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया है। ओमान ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए उन्हें ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया है। राजधानी मस्कट में ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया है।ओमान समेत तीन देशों के दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी पीएम मोदी अभी ओमान के दौरे पर है, जो उनके तीन देशों के दौरे का अंतिम पड़ाव है, वे आज ही ओमान से वापस स्वदेश लौटेंगे। वे 15 से 18 दिसंबर के बीच जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान के दौरे पर गए थे। इथियोपिया ने भी पीएम मोदी को किया सम्मानित- इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी को इथियोपिया ने भी %ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया% से सम्मानित किया था। यह सम्मान इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली ने उन्हें दिया था। बता दें कि पीएम मोदी इस सम्मान को पाने वाले दुनिया के पहले प्रधानमंत्री हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए मिला चैंपियन ऑफ द अर्थ सम्मान- पीएम मोदी को संयुक्त राष्ट्र ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए %चैंपियन ऑफ द अर्थ% पुरस्कार से सम्मानित किया था। ये सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत और प्रभाव का परिचायक हैं। पीएम मोदी की अगुवाई में भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को अपनाते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत किया है। उनकी विदेश यात्राएं नए व्यापारिक अवसर, निवेश और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनी हैं।भारत-ओमान के बीच ऐतिहासिक सीईपीए समझौते पर हस्ताक्षर। जानें कैसे यह डील भारतीय निर्यातकों, आयुष सेक्टर और पेशेवरों के लिए खाड़ी देशों में शुल्क माफी और 100त्न स्नष्टद्ध के साथ प्रगति के नए द्वार खोलेगी।भारत और ओमान ने आज अपने आर्थिक संबंधों में एक नए युग की शुरुआत की है। दोनों देशों के बीच गुरुवार को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता न केवल भारतीय निर्यातकों के लिए भारी अवसर लेकर आया है, बल्कि 2006 में अमेरिका के साथ हुए समझौते के बाद ओमान की ओर से किसी भी देश के साथ किया गया यह पहला द्विपक्षीय व्यापार समझौता है।व्यापारिक नजरिये से देखें तो वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है। ओमान में करीब सात लाख भारतीय रहते हैं, जो सालाना लगभग 2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा भारत भेजते हैं। यह समझौता इन संबंधों को और मजबूती प्रदान करेगा।1. वस्तुओं का व्यापार- भारतीय उत्पादों की ड्यूटी-फ्री एंट्री इस समझौते के तहत ओमान ने भारत के 99.38% निर्यात (मूल्य के आधार पर) के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। जीरो ड्यूटी एक्सेस: ओमान ने अपनी 98.08% टैरिफ लाइनों पर जीरो-ड्यूटी की पेशकश की है। इनमें से 97.96% टैरिफ लाइनों पर शुल्क तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया जाएगा। प्रमुख क्षेत्रों जैसे रत्न एवं आभूषण, कपड़ा, चमड़ा, जूते, खेल का सामान, इंजीनियरिंग उत्पाद, फार्मा और ऑटो जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पूर्ण शुल्क छूट मिलेगी। पारंपरिक चिकित्सा यानी आयुष पर भी एफटीए में फैसला लिया गया। पहली बार किसी देश ने पारंपरिक चिकित्सा के सभी माध्यमों पर प्रतिबद्धता जताई है, जिससे भारत के आयुष और वेलनेस क्षेत्र के लिए वैश्विक अवसर पैदा होंगे। फार्मा क्षेत्र में तेजी आएगी। यूएसएफडीए, ईएमए और यूकेएमएचआरए जैसी वैश्विक संस्थाओं की ओर से अनुमोदित भारतीय दवाओं को ओमान में मार्केटिंग की अनुमति मिलने में अब देरी नहीं होगी। 2. सेवाओं का व्यापार और पेशेवर आवाजाही- ओमान का सेवाओं का कुल आयात लगभग 12.52 अरब डॉलर है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी वर्तमान में मात्र 5.31% है। यह समझौता इस गैप को भरने का काम करेगा। मोड 4 यानी पेशेवर आवाजाही पर भी एफटीए में चीजें साफ हुई हैं। पहली बार ओमान ने भारतीय पेशेवरों की आवाजाही पर व्यापक रियायतें दी हैं। इंट्रा-कॉरपोरेट ट्रांसफरीज का कोटा 20% से बढ़ाकर 50% कर दिया गया है। टेंडर के आधार पर सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों के लिए समय की अवधि को 90 दिनों से बढ़ाकर दो साल कर दिया गया है। इसे दो साल और विस्तार दिया जा सकता है। भारतीय कंपनियों के लिए 100 फीसदी एफडीआई का रास्ता साफ: आईटी, बिजनेस सर्विसेज, ऑडियो-विजुअल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भारतीय कंपनियां अब ओमान में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) कर सकेंगी। 3. संवेदनशील उत्पादों के लिए सुरक्षा चक्र- भारत ने घरेलू हितों की रक्षा के लिए कुछ सख्त कदम भी उठाए हैं- शुल्क कटौती से एफटीए में कई क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। डेयरी, चाय, कॉफी, रबर, तंबाकू उत्पाद, सोना-चांदी की ईंटें (bullion) और स्क्रैप धातु जैसे संवेदनशील उत्पादों पर कोई रियायत नहीं दी गई है। ओमान के निर्यात हितों वाले कुछ उत्पादों के लिए भारत ने टैरिफ-रेट कोटा (TRQ) उदारीकरण का रास्ताअपनाया है, ताकि घरेलू उद्योग प्रभावित न हों।ओमान मध्य पूर्व और अफ्रीका के बाजार के लिए भारत का प्रवेश द्वार- ओमान मध्य पूर्व और अफ्रीका के बाजारों के लिए भारत का एक महत्वपूर्ण गेटवे (प्रवेश द्वार) है। ओमान में 6,000 से अधिक भारतीय प्रतिष्ठान काम कर रहे हैं। महीनों में यह भारत का दूसरा बड़ा व्यापारिक समझौता है, जो भारत की आक्रामक वैश्विक व्यापार रणनीति का उदाहरण है। दोनों देशों ने भविष्य में ओमान की अंशदायी सामाजिक सुरक्षा प्रणाली लागू होने पर सामाजिक सुरक्षा समन्वय% पर चर्चा करने पर भी सहमति जताई है।

संक्षिप्त समाचार

नगीना सांसद चंद्रशेखर की याचिकाएं खारिज, सहारनपुर दंगों से संबंधित केस रद्द करने से इन्कार

नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद को इलाहाबाद हाईकोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने सांसद की उस अपील को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने सहारनपुर दंगों के मामले में उनके खिलाफ दर्ज मामलों को रद्द करने की गुहार लगाई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर के खिलाफ वर्ष 2017 के सहारनपुर दंगों से संबंधित चार अलग-अलग प्राथमिकी और उनके आधार पर चल रही कार्यवाहियों को रद्द करने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने कहा कि एक ही दिन होने वाली घटनाओं के लिए अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की जा सकती हैं।सहारनपुर के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में 9 मई 2017 को हिंसा और आगजनी की घटनाएं हुईं। पुलिस ने इस मामले में पहली एफआईआर (152/2017) दर्ज की थी।

लोकसभा से वीबी-जी-राम-जी विधेयक पारित, कृषि मंत्री बोले- बापू का अपमान कर रहा विपक्ष

संसद में आज कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी दलों के हंगामे पर नाराजगी का इजहार किया। लोकसभा में विकसित भारत जी राम जी विधेयक पर हुई विस्तृत चर्चा का जवाब देते समय शिवराज ने कहा कि विपक्षी दलों का हंगामा महात्मा गांधी का अपमान है। उन्होंने कहा कि बापू का अपमान कर रही विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने तो गांधी को भी गांधी से चुराने का पाप किया है। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा से %वीबी-जी-राम-जी% विधेयक पारित हो गया है और ओम बिरला ने कार्यवाही स्थगित कर दी। संसद में आज विपक्षी दलों के हंगामे के बीच शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत जी-राम-जी विधेयक पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाहता। केंद्रीय कृषि मंत्री ने सरकार की तरफ से जारी आंकड़े पेश करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने फंड का दुरुपयोग किया, लेकिन हमारी सरकार ने विकास कार्यों पर खर्च करने पर जोर दिया। शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया कि सरकार किसानों के साथ-साथ गरीबों के कल्याण के लिए विधेयक लाई है, जिसका विरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा, सबसे पहले इस पवित्र सदन में मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। सभापति महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस विषय पर हमने माननीय सदस्यों के विचार सुने हैं। अब जवाब देना मेरा अधिकार है। मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं। मैंने रात के डेढ़ बजे तक माननीय सदस्यों की बात सुनी है। अपनी बात सुना देना और फिर जवाब न सुनना ये लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार करना है। संविधान की धज्जियां उड़ाना है। ये बापू के आदर्शों की हत्या भी कर रहे हैं। अपनी बात सुना दो और हमारी न सुनो। ये भी हिंसा है। यह बापू के आदर्शों की हत्या करने का काम कांग्रेस और बाकी विपक्ष कर रहे हैं। हम गांधी के आदर्शों पर चलने वाले लोग- कृषि मंत्री- उन्होंने कहा, सबसे पहले मैं पूज्य बापू (राष्ट्रपति महात्मा गांधी) के चरणों में प्रणाम करना चाहता हूं। बापू हमारी श्रद्धा हैं। बापू जी हमारे आदर्श हैं। बापू हमारी प्रेरणा हैं। बापू हमारे विश्वास हैं। इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय भारतीय जनता पार्टी ने अपने पंच निष्ठाओं में गांधी के सामाजिक-आर्थिक दर्शन को स्थान दिया है। हम गांधी जी के आदर्शों पर चलने वाले हैं। गांधी जी ने ही कहा था कि गांव भारत की आत्मा है। अगर गांव मर जाएंगे, भारत मर जाएगा। %किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करते%- कृषि मंत्री ने कहा, यह गांवों के विकास का विधायक है। माननीय प्रतिपक्षी सदस्यों ने कई तरह के आरोप लगाए। एक बात यह कही कि हम भेदभाव करते हैं। सारा देश हमारे लिए एक है। चेन्नई हो या गुवाहाटी, अपना देश-अपनी माटी। अलग भाषा-अलग वेष, फिर भी अपना एक देश। उन्होंने आगे कहा, मैं इनको बताना चाहता हूं कि अटल जी ने क्या कहा था। माननीय अध्यक्ष महोदय, हम देश के किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करते। हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था - यह देश हमारे लिए जमीन का टुकड़ा नहीं है, जीता-जाता राष्ट्र पुरुष है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर जवाब देते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सनक मोदी सरकार पर सवार नहीं है। उन्होंने कहा कि अपने खानदान का महिमामंडन करने के लिए इन्होंने महात्मा गांधी की बजाय केवल नेहरू परिवार के नाम पर सरकारी योजनाओं का नामकरण किया। कांग्रेस पर खानदान के महिमामंडन में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए शिवराज ने कहा कि नेहरू परिवार के नाम पर योजनाओं के नाम रखे गए। उन्होंने दावा किया कि 25 नाम स्वर्गीय राजीव गांधी और 27 नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रखे गए। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों, सड़कों, इमारतों, अवार्ड्स के नाम भी इसी खानदान के लोगों के नाम पर रखे गए।

खेती बचेगी तो देश बचेगा, किसानों के हक, तकनीक और भविष्य पर जयंत चौधरी का बड़ा संदेश

बड़ौत में केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि किसान को उसकी मेहनत की पूरी कीमत मिलेगी, तभी देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। खेती में तकनीक, एआई और संगठन पर जोर दिया।भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती पर बागपत के किशनपुर बराल में किसान सम्मान समारोह आयोजित हुआ। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने बड़ौत में कहा कि किसान को उसकी मेहनत का पूरा दाम मिलेगा, तभी गांव, गरीब और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत रहेगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि खेती केवल आजीविका नहीं, बल्कि देश की रीढ़ है। अगर किसान कमजोर हुआ तो राष्ट्र कमजोर होगा, और अगर खेती मजबूत रही तो देश को कोई हिला नहीं सकता।तकनीक और एआई से जुड़नी होगी खेती- जयंत चौधरी ने कहा कि अब समय आ गया है कि किसान सिर्फ खेत तक सीमित न रहे। विज्ञान, तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई सोच को खेती से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की तेज़ प्रगति के पीछे युवाओं की नई सोच है और यही सोच अब खेती में भी उतरनी चाहिए।चौधरी अजित सिंह को किया याद- जयंत चौधरी ने चौधरी अजित सिंह को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद किसानों के अधिकारों की बड़ी लड़ाई लड़ी। उनकी स्मृति में इंटर कॉलेज में पुस्तकालय का उद्घाटन इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा ही किसान और समाज का सबसे बड़ा हथियार है। चेताते हुए उन्होंने कहा कि इस बार गन्ने की पैदावार कमजोर नजर आ रही है। किसानों को अब एक ही फसल पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। बागवानी, फल, सब्जी, मसाले और वैकल्पिक फसलों में भविष्य की बड़ी संभावनाएं हैं। छोटे किसान कृषि की असली ताकत- जयंत चौधरी ने कहा कि छोटे और सीमांत किसान भारतीय कृषि की असली ताकत हैं।

जनता के मुद्दों से बचने के लिए वंदे मातरम पर चर्चा कराना चाहती है सरकार... विधानसभा सत्र पर बोले अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी सरकार जनता के जरूरी मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है इसलिए विधानसभा में वंदे मातरम के मुद्दे पर चर्चा करवाना चाहती है। जबकि लोकसभा में इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी सरकार जनता के मुद्दों से बचना चाहती है इसलिए जरूरी मुद्दों को छोड़कर वंदे मातरम पर चर्चा करवाना चाहती है जबकि इसकी चर्चा लोकसभा में हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा के लोगों ने आजादी के पहले और बाद कभी भी वंदे मातरम नहीं गाया और अब जरूरी मुद्दों को बचने के लिए वंदे मातरम पर चर्चा करवाना चाहते हैं। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि लखनऊ में प्रदूषण के कारण भारत दक्षिण अफ्रीका का मैच रद्द हो गया और सरकार के लोग कह रहे हैं कि एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) ठीक था। उन्होंने कहा कि ये लोग कहां से एक्यूआई लेकर आए। सरकार के लोग कह रहे हैं कि किसी स्वतंत्र एजेंसी के एक्यूआई के आंकड़ों पर यकीन न करें।

ये लोग ऐसा इसलिए कह रहे हैं कि प्रदूषण पर कोई चर्चा न हो।उन्होंने कहा कि भाजपा ने सबसे ज्यादा पेड़ कटवाए हैं। छत्तीसगढ़ में पूरे के पूरे जंगल समाप्त करवा दिए। अब अरावली की पहाड़ियों को खत्म कर देना चाहते हैं। सोनभद्र में खनन करवाते हुए 500 फीट के गड्ढे करवा दिए। ये लोग मुद्दों पर कोई बात नहीं करना चाहते हैं। नीतीश के साथ हेल्पर की जरूरत- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक युवती के हिजाब हटा देने पर अखिलेश यादव ने कहा कि इस उम्र में उनके साथ किसी हेल्पर की जरूरत है। किसी भी समुदाय के इमोशन को हर्ट नहीं करना चाहिए। किसी के साथ ही भी इस तरह की घटना नहीं होना चाहिए। एसआईआर पर उठाए सवाल- अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग की मदद से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कर रही है। इसकी मदद से सरकार विपक्ष के वोट काट देना चाहती है।

संपादकीय Editorial

Modi's 'Nabin' Experiment

Prime Minister Modi has once again surprised political pundits and most party leaders with the appointment of Nitin Nabin as the BJP's National Executive President. While the party continues to cite the Parliamentary Board, appointments to top leadership and constitutional positions are decided by Prime Minister Modi. Home Minister Amit Shah's advice is also sought in some cases. RSS approval is also required, but Modi ultimately makes the selection. The BJP's National Executive President was discussed within the Parliamentary Board just two days before the announcement of this appointment, but no name was put forward. Most members of the Parliamentary Board were of the opinion that the party's future president should be relatively young, upper caste, and from a Hindi heartland state. Based on these considerations, Nitin Nabin, a five-time MLA and minister from Bihar, was selected. In any case, with one or two exceptions, the BJP's National President has always been from the upper caste. Of course, in states, leadership has also been entrusted to leaders from backward and Dalit communities. Nitin Nabin, a leader from the upper caste Kayastha community, is 45 years old, making him the BJP's youngest national executive president. He will succeed J.P. Nadda as the BJP's national president in due course. Nitin Nabin has served as the national general secretary of the BJYM under Anurag Thakur, and has also served as in-charge and co-in-charge of several states, so he understands the organization's spirit and expectations well. Nadda was 52 when he became party president. Amit Shah was 49. Rajnath Singh would also have been 52 or 53 years old. Atal Bihari Vajpayee and L.K. Advani would also have been 55 or 58 when they first became BJP presidents. Age is not a criterion for top leadership, but Prime Minister Modi's "Nabeen" experiment is certainly challenging. He entrusted the leadership of the BJP to a new generation by appointing Mohan Charan Majhi, Mohan Yadav, Bhajanlal Sharma, Biplab Deb, Bhupendra Patel, Pushkar Singh Dhami, Nayab Singh Saini, and others as Chief Ministers. Like these leaders, Nabin represents the fourth generation of the BJP. However, his identity was never "national." However, Nitin Nabin has now become a new link in the chain established by Atal Bihari Vajpayee, Advani, Murli Manohar Joshi, Rajnath Singh, and JP Nadda, who earned the BJP the reputation of being the world's largest political party. Maintaining that dominance, position, and dignity is Nitin Nabin's challenge. His political and electoral challenge lies in the fact that assembly elections are scheduled for Assam, West Bengal, Tamil Nadu, Puducherry, and Kerala in 2026, and the Uttar Pradesh general elections in 2027. In Kerala, the BJP won a landslide victory in the local body elections in Thiruvananthapuram, demolishing the Left Front's 45-year-old stronghold. It is expected that the public will give the BJP-NDA a chance in the assembly elections, but the BJP remains a "zero" in Tamil Nadu. While an alliance with the AIADMK may gain it some seats, Tamil Hindus have yet to accept the BJP. Prime Minister Modi is repeatedly visiting Ram temples and offering prayers to gain public approval. However, the results will only be clear after the elections. Nabin will face serious political challenges in 2028-29, as Modi will likely not seek to become Prime Minister after the 2029 Lok Sabha elections, so an alternative will be needed. Preparations for that will have to begin in 2026. However, for the first time, a Bihari leader has reached the position of National Executive President, so it is natural for Bihar to be overjoyed. Nabin has a reputation as a polite and combative leader. It is only in the BJP that an unknown.

The scope of reforms should be expanded, and institutional reforms are also necessary.

To achieve a developed nation by 2047, a minimum requirement is that GDP growth remain above eight percent for a long time. Furthermore, we must also undertake institutional reforms in the judiciary, public administration, and police. A consensus must be reached on land reforms. GDP growth is essential for a developed nation by 2047. Institutional reforms in the judiciary and administration are essential. Consensus on land reforms is crucial. According to the International Monetary Fund's (IMF) October Global Economic Outlook, which forecasts the global economy, the global economy may remain in recession. Risks remain. Against this backdrop, the Indian economy's growth figures for the second quarter of the current financial year, announced on November 28, were surprising. GDP growth during this period was recorded at 8.2 percent. This is also considered a significant achievement because, despite the shadow of the global recession and the uncertainty created by Trump's tariffs, the Indian economy has accelerated further. GDP growth in the first quarter had registered a growth of 7.8 percent. During the second quarter, the primary sector of GDP, agriculture, grew by 3.5 percent, the secondary sector, industry, by 7.7 percent, manufacturing by 9.1 percent, and the tertiary sector, services, by 9.2 percent, indicating a strong economic foundation. This is why India has long remained the world's fastest-growing major economy. However, some are expressing doubts about these figures. However, such voices cannot change the reality. Since the COVID-19 pandemic, the Indian economy has consistently met analysts' expectations year after year, demonstrating a rejuvenation and growth. A section dismissed the 9.2 percent GDP growth in fiscal year 2024 as a jugglery of figures, expressing fears that GDP growth would decline the following year. Such people were disappointed, as India recorded a GDP growth of 6.5 percent in fiscal year 2025. This brings the two-year average GDP growth to 7.85 percent, belying the claims of those expressing doubts. Since 2000, India's long-term GDP growth has been 6.5 percent. It's clear that India's potential GDP growth has exceeded seven percent. Such projections are primarily based on the central government's reforms and various positive initiatives over the past decade. Regarding macroeconomic reforms, the indirect tax system has been strengthened through the GST, addressing fragmented tax systems. Legislative initiatives such as the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), the Real Estate Regulatory Authority (RERA), and the Monetary Policy Committee (MPC) have also been crucial. In this regard, the health of banks and corporate balance sheets has been improved. A national digital public infrastructure has been established to bridge the digital divide. Capital expenditure has been prioritized over revenue expenditure, which has accelerated infrastructure construction. There has also been progressive success in controlling the fiscal deficit. It's worth noting that in 2013, India was ranked among the five most fragile economies, struggling with inflation, fiscal deficit, and numerous other parameters. However, a steady stream of reforms has transformed the situation. Over the past decade, several positive initiatives by the central government are now bearing fruit. Lakhpati Didi, Mudra loans, and Farmer Producer Organizations (FPOs) are notable in this regard. It is estimated that the number of Lakhpati Didi will reach 10 million by the end of fiscal year 2025, with a target of 30 million. Under the Mudra scheme, approximately 520 million loans have been disbursed, totaling ?33 lakh crore. The electronic trading portal e-NAM has established itself as a unified national market, serving as a bridge between farmers and agricultural produce marketing committees across the country. Such initiatives have proven useful in skill development, employment generation, capacity building, and market stability. This has broadened the scope of financial and social inclusion of marginalized groups, especially the rural population, leading to their widespread empowerment. On the economic front, the Global Capacity Centers (GCCs) are a major success of the current era. India is becoming a hub for such entities. Currently, 1,700 GCCs are active, employing 1.9 million people. They generated revenues of $64.6 billion by 2024. It is estimated that this figure could reach $100 billion by 2030. Meanwhile, measures like the "Public Trust" Act provide for self-certification and self-assessment. Several provisions have been decriminalized. Pressure from banks, insurance companies, and mutual funds for the return of public funds, and from tax authorities, also indicate that governance is gradually improving. These initiatives are translating into increased economic participation, improved infrastructure, declining logistics costs, reduced economic exploitation, and a rising capital-output ratio. The recently announced labor reforms and the recommendations of the Gauba Committee are expected to further improve the situation. These are expected to provide significant relief to MSMEs. While these reforms cannot be described as revolutionary like the 1991 reforms, it is certain that these small reforms will lay the foundation for greater success. India aims to become a developed nation by 2047. A minimum requirement for this is a sustained GDP growth rate of above 8%. Furthermore, we must undertake institutional reforms in the judiciary, public administration, and police. A consensus must be reached on land reforms. This has long been felt to reduce the time and cost of implementing enterprise contracts, facilitate land acquisition, and facilitate the delivery of public services.

The judiciary is under attack from the opposition; this effort could prove costly.

If a government disagrees with a court decision, is impeachment its only recourse? A larger bench is the option against a single bench. The Supreme Court was also open. Instead, the attempt to directly bring an impeachment motion suggests that the Tamil Nadu government wants to create an environment where the courts will ultimately deliver decisions in its favor. This is an attempt to pressure the judiciary. This effort could prove costly for the DMK and its allies. The DMK's mobilization against Justice Swaminathan, the notice of impeachment, expands coalition politics. The DMK at the center of minority politics in Tamil Nadu, the way the DMK and its allies mobilized against Justice G.R. Swaminathan, the Madras High Court judge who ordered the establishment of the Karthigai Deepam tradition, indicates that the coalition partners are not willing to learn any lessons from the Bihar results. The filing of an impeachment notice against Swaminathan by 120 INDIAN MPs, led by DMK MP Kanimozhi, is an extension of the coalition's traditional politics. The coalition is unable to digest the fact that a judge has ruled to establish a majority Sanatani tradition. He approved the establishment of the Karthigai Deepam tradition on the hilltop of Tirupparankundram in Madurai district, which had been discontinued following a dispute in 1920. The DMK-led Tamil Nadu government, citing fears of controversy, blocked Swaminathan's decision from being implemented. Interestingly, the minority community did not oppose it; rather, the government itself instigated the controversy. The state government even appealed Swaminathan's decision in the Supreme Court, but it also felt that if it did not teach the judge a lesson, its politics, based on secularism, could be shattered. The most surprising step in the DMK's move to teach the judge a lesson and curb the judiciary is the active participation of other constituents of the opposition alliance. The presence of Congress leaders and Akhilesh Yadav with Kanimozhi when the impeachment motion was presented to the Lok Sabha Speaker is a strong indication. The opposition parties are attempting to signal to the minority community that only the INDIAN can target a judge for its own interests. The opposition alliance is attempting to woo the state's approximately six percent minority population for the Tamil Nadu Assembly elections to be held in a few months. Since minorityism has been at the core of the DMK's politics, it has no hesitation in stopping the tradition of Karthigai Deepam. Before discussing this entire issue, it is important to understand what the Karthigai Deepam festival is. Known as the Festival of Lights of the South, Karthigai Deepam is a tradition of lighting lamps in the Tamil month of Rama in honor of Lord Murugan. It is believed that Lord Shiva himself appeared as the eternal pillar of fire to resolve the dispute between Brahma and Vishnu. In memory of this pillar, the Mahadeepakam is lit near the ancient pillar called Deepathun near the Uchippalayam Temple. This tradition also existed on the Tirupparankundram hill, but later a dargah was established near the temple. Following the establishment of the dargah, it was necessary to promote secularism, so the authorities stopped the Deepam tradition. Court intervention was sought to restore it. The case was first heard in the Madurai District Court and later in the Madras High Court, where Justice G.R. Swaminathan ordered the resumption of the tradition of lighting lamps on the hill. Following this, devotees began gathering on the hill on December 3, but the police stopped them. This move by the DMK government gave the BJP a major issue. She is asking what mistake did the state's Hindus commit that they had to approach the court for the right to light lamps, and even after receiving a favorable order, it was not allowed to be implemented? The DMK's predecessor, the Justice Party, was founded in 1916. It was founded to oppose Brahminism. Over time, its anti-Brahminism politics increasingly focused on anti-Brahminism. Later, its opposition expanded to include Hindi and the entire Sanatan tradition. This is why the Stalin clan never refrains from harshly criticizing Hindutva. The relentless opposition to Hindi and now to Karthigai Deepam is an extension of this tradition. The opposition alliance is currently deeply concerned with saving the Constitution. In the eyes of the opposition alliance, which raises the slogan "The Constitution is in danger," justice is only what fits their narrative; otherwise, it is against secularism. These parties have still not wholeheartedly accepted the Supreme Court's decision on the Ram Temple. In this context, Swaminathan is also being targeted. This has once again exposed the opposition coalition's pro-minority political strategy. If a government disagrees with a court decision, is impeachment the only way out? A larger bench is an alternative to a single-judge bench. The Supreme Court was also open. Instead, the attempt to directly bring an impeachment motion suggests that the Tamil Nadu government is trying to create an environment where the courts will ultimately pass decisions in its favor. This is an attempt to pressure the judiciary. This effort could prove costly for the DMK and its allies.

सूरज ने मानी हार... दिनभर छाया रहा घना कोहरा, मुरादाबाद मंडल में स्कूलों का समय बदला

पहाड़ों से आ रही ठंडी हवाओं के कारण मुरादाबाद में घना कोहरा छाया रहा। रात का तापमान में भी गिरावट आई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक घना कोहरा बना रहेगा। ठंड के देखते हुए स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है। मुरादाबाद में 17 दिसंबर 2025 का दिन पांच साल में सबसे ठंडा रहा। दिन का तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले 2019 में 17 दिसंबर को दिन का तापमान लुढ़ककर 19 डिग्री सेल्सियस पहुंचा था। इसके छह साल बाद बुधवार को ऐसा हुआ। हालांकि पिछले वर्षों में 17 दिसंबर की तारीख के सापेक्ष रात का तापमान अभी सामान्य है। 17 दिसंबर 2020 को रात का तापमान पांच डिग्री सेल्सियस था। जबकि इस वर्ष बुधवार की रात तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह जलवायु परिवर्तन को प्रदर्शित करता है। पहाड़ों की ठंडी हवा के कारण मुरादाबाद में यह असर दिख रहा है। बुधवार को भी दिन भर कोहरा व धुंध शहर की सड़कों की छाई रही। लोगों को सूरज की झलक नहीं दिखाई दी। पंत विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह के मुताबिक आने वाले तीन दिनों में घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। आने वाले सप्ताह में ठंड से राहत मिलने के आसार कम हैं।सर्दी के सितम से यात्री घटे- सर्दी बढ़ने की वजह से बसों में यात्रियों की संख्या घट गई। 20 से 25 यात्री लेकर ही चालक और परिचालक अपने फेरे पूरे कर रहे हैं। मुरादाबाद बस अड्डा इंचार्ज किरण पाल सिंह ने बताया दो दिनों के भीतर यात्रियों की संख्या में गिरावट आई है। बसों में 30 से 35 यात्री भरना मुश्किल हो रहा है। सर्दी बढ़ने की वजह से लोग जरूरी काम पड़ने पर ही घरों से निकल रहे हैं।समय बदला, दस बजे से खुलेंगे जिले के स्कूल- कड़ाके की ठंड की वजह से मुरादाबाद में स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया गया। अब कक्षा आठ तक के स्कूल सुबह दस बजे खुलेंगे। मुरादाबाद के डीएम अनुज सिंह के अनुसार अत्याधिक शीतलहर, कोहरे के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा व स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कक्षा नर्सरी से आठ तक के सभी परिषदीय, माध्यमिक, राजकीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त सभी बोर्ड के विद्यालयों का संचालन सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक किया गया है।

सभी स्कूलों द्वारा इस आदेश का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। रात का तापमान अपेक्षाकृत राहत भरा- दिन की ठंड ने रिकॉर्ड बनाया है लेकिन रात का तापमान पिछले कुछ वर्षों की तुलना में ज्यादा नीचे नहीं गया। वर्ष 2025 में 17 दिसंबर की रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगर बीते वर्षों से तुलना करें तो 2019 में 17 दिसंबर की रात का तापमान 9 डिग्री, 2020 में 5 डिग्री, 2021 में 7 डिग्री, 2022 में 11 डिग्री, 2023 में 8 डिग्री और 2024 में 9 डिग्री सेल्सियस रहा था।मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और ठंडी हवाओं का सिलसिला जारी रहा, तो आने वाले दिनों में दिन के तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। सुबह के समय कोहरा और सर्द हवाएं लोगों की परेशानी बढ़ा सकती हैं। रामपुर में स्कूल 20 तक बंद, मुरादाबाद-संभल में समय बदला- कड़ाके की ठंड की वजह से रामपुर में 20 दिसंबर तक कक्षा आठ तक के बच्चों के लिए छुट्टी कर दी गई है। जबकि मुरादाबाद और संभल जनपद में स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया गया। अब कक्षा आठ तक के स्कूल सुबह दस बजे खुलेंगे। पिछले तीन दिन से पड़ रही कड़ाके की ठंड के कारण बच्चों को सुबह जल्दी स्कूल जाने में परेशानी हो रही थी।इसको लेकर अभिभावक लगातार स्कूलों के समय परिवर्तन या छुट्टी की मांग कर रहे थे। मौसम विभाग ने भी अलर्ट जारी किया है। इसके मद्देनजर रामपुर के डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने जिले में आठवीं तक के स्कूलों में 20 दिसंबर तक अवकाश घोषित कर दिया है। अब स्कूल 22 दिसंबर को खुलेंगे।साथ ही आदेश नहीं मानने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। डीएम ने बताया कि यह अवकाश सरकारी, अर्द्धसरकारी और निजी स्कूलों के लिए है। इस दौरान अगर कोई विद्यालय खुला पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।वहीं मुरादाबाद डीएम अनुज सिंह के अनुसार अत्याधिक शीतलहर, कोहरे के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा व स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कक्षा नर्सरी से आठ तक के सभी परिषदीय, माध्यमिक, राजकीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त सभी बोर्ड के विद्यालयों का संचालन सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सपा नेता आजम खां को कोर्ट से राहत, भड़काऊ भाषण केस में बरी, आप प्रवक्ता ने लगाए थे गंभीर आरोप

भड़काऊ भाषण के आरोप में दर्ज मुकदमे में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां को बरी कर दिया। यह मामला लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान दिए गए कथित भाषण से जुड़ा था। इसकी रिपोर्ट आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ने दर्ज कराई थी।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमे में बृहस्पतिवार को फैसला आ गया। कोर्ट ने उन्हें साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। यह मुकदमा भड़काऊ भाषण से संबंधित है जिसे आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता फैसल खान लाला ने शहर कोतवाली में दो अप्रैल 2019 को दर्ज कराया था।तब आजम खां पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़े थे। उन पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप था। आम आदमी पार्टी के नेता की ओर से दर्ज रिपोर्ट में कहा गया था कि 29 मार्च 2019 को आजम खां ने सपा कार्यालय पर भाषण दिया था। इसकी वीडियो प्रसारित की थी।उसमें आजम खां लोगों को तत्कालीन जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ भड़का रहे थे। उनके खिलाफ चुनाव आचार संहिता उल्लंघन, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम आदि धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसकी जांच पूरी कर पुलिस ने आजम खां के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था।

कोहरे के कारण थमी वाहनों की रफ्तार, एक घंटे में तय हुआ 25 मिनट का सफर

मुरादाबाद । शहर में शीतलहर और घने कोहरे ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। बीती रात दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे सड़कों पर चलना जोखिम भरा हो गया। मंगलवार देर रात से ही कोहरे की चादर छा गई थी और ठंडी हवा के साथ गलन बढ़ती चली गई। हालात ऐसे रहे कि वाहन चालकों को रास्ता दिखाई देना मुश्किल हो गया। नतीजतन कई प्रमुख मार्गों पर रफ्तार बेहद धीमी रही और हादसे का डर बना रहा। बुधवार को भी सुबह से कोहरा छाया रहा। बुधवार को कोहरे के कारण रोजमर्रा का सफर भी कठिन हो गया। आमतौर पर 25 मिनट में तय होने वाला रास्ता लोगों ने करीब एक घंटे में पूरा किया। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे में अचानक सामने से वाहन आ जाने के डर से लोग बार-बार ब्रेक लगाते दिखे। वहीं, हाईवे और शहर के बाहरी इलाकों में भारी वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित रही। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए नगर निगम और जिला प्रशासन की ओर से रात भर सड़कों पर सतर्कता अनाउंसमेंट कराया गया। पीएससी तिराहा, पीलीकोठी, महाराणा प्रताप चौक, कपूर कंपनी, रेलवे स्टेशन रोड, रोडवेज बस स्टैंड के बाहर, हनुमान मूर्ति तिराहा समेत महानगर में जगह-जगह लाउडस्पीकर के माध्यम से वाहन चालकों से धीमी गति से चलने, फॉग लाइट का उपयोग करने और आगे चलने वाले वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की जाती रही। प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर पुलिसकर्मी भी तैनात रहे। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं के चलते आने वाले दिनों में कोहरा और गलन बने रहने की संभावना है। नहीं निकला सूरज, अलाव ने पहुंचाई राहत- सुबह से ही कोहरा छाया रहा और दिनभर ठिठुरन बनी रही। सूरज नहीं निकला, जिससे ठंड का असर और बढ़ गया। लोग ऊनी कपड़ों में लिपटे नजर आए और सुबह-शाम अलाव के सहारे ठंड से राहत पाने की कोशिश करते दिखे। बाजारों में भी देर से चहल-पहल शुरू हुई।

सरकार की सिनेमाघरों के उच्चीकरण के लिए समेकित प्रोत्साहन योजना शुरू, एडीएम वित्त ने दी जानकारी।

नवीन मल्टीप्लेक्स निर्माण एवं सिनेमाघर/मल्टीप्लेक्स के उच्चीकरण के लिए समेकित प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की गई है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती ममता मालवीय ने बताया कि जिले में बंद पड़े एवं चालू सिनेमाघरोंके स्वामी/लाइसेंसी/ प्रबंधक अथवा संचालक या अन्य इच्छुक व्यक्ति/फर्म या कंपनी इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे सिनेमाघर जो बंद पड़े हैं अथवा घाटे में चल रहे हैं उनको पूर्ण रूप से तोड़कर उनके स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त लघु क्षमता के सिनेमा हॉल सहित व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण, पुराने बंद पड़े अथवा संचालित सिनेमाघरों के भवन की आंतरिक संरचना में परिवर्तन कर पुन: संचालित होने वाले सिनेमाघर, बंद पड़े एकल सिनेमाघरों में बिना किसी आंतरिक संरचना में परिवर्तन किए यथास्थिति में पुन: संचालित करने वाले सिनेमाघर, व्यवसायिक गतिविधियों सहित अथवा रहित न्यूनतम 75 आसान क्षमता के एकल स्क्रीन सिनेमाघर के निर्माण एवं सिनेमाघर/मल्टीप्लेक्स का उच्चीकरण हेतु यह योजना संचालित है। शासन स्तर से जारी इस संबंध में दिशा निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी या अन्य सहयोग एवं सहायता के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय सहायक आयुक्त राज्य कर (पूर्व में मनोरंजन कर विभाग) कलेक्ट्रेट परिसर मुरादाबाद में संपर्क किया जा सकता है।

जिले में यूरिया की भरपूर उपलब्धता, जिला कृषि अधिकारी ने दी जानकारी

निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री अथवा टैगिंग की निर्धारित नंबरों पर दर्ज कराएं शिकायत। जनपद में रबी फसलों में गेंहू की बुवाई का कार्य लगभग समाप्ति की ओर है एवं गेंहू की फसल में यूरिया के छिड़काव का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिस हेतु जनपद में 38711 मी. टन यूरिया की उपलब्धता कराते हुए सहकारी एवं निजी उर्वरक बिक्री केन्द्रों के माध्यम से अब तक 19872 मी. टन यूरिया का वितरण कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त जनपद में 18839 मी. टन यूरिया अभी भी अवशेष है तथा प्रतिदिन औसतन 200 मी. टन यूरिया सड़क मार्ग से भी आपूर्ति कराया जा रहा है। जनपद में लगभग सभी सक्रिय सहकारी समितियों पर यूरिया की उपलब्धता है और यूरिया की कोई कमी नहीं है। जिलाधिकारी द्वारा जनपद के सभी रिटेलर्स को नियमानुसार जोत के आधार पर पीओएस मशीन के माध्यम से निर्धारित दर (266.50 रू / बैग) यूरिया की बिक्री कराने हेतु आदेशित किया गया है।

जिला कृषि अधिकारी डा. राजेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि जनपद में यदि किसी भी सहकारी अथवा निजी उर्वरक बिक्री केन्द्र पर अधिक दर पर उर्वरक वितरण अथवा टैगिंग की शिकायत पायी जायेगी तो संबंधित विक्रेता के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 3/7 के अर्न्तगत कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि कृषक अपनी फसल में कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों / कृषि वैज्ञानिकों द्वारा संस्तुत दर के अनुसार ही यूरिया तथा अन्य उर्वरकों का प्रयोग करें। अधिक मात्रा में उर्वरक के प्रयोग से जहां एक ओर कृषक पर आर्थिक बोझ पड़ता है वहीं दूसरी ओर मृदा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। जनपद में यदि किसी भी सहकारी अथवा निजी उर्वरक बिक्री केन्द्र पर अधिक दर पर उर्वरक वितरण अथवा टैगिंग की जा रही हो तो जिला कृषि अधिकारी, मुरादाबाद के मो.नं. 7839882748 अथवा सहायक आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता, मुरादाबाद के मो.नं. 8868089133 पर फोन कर जानकारी दें।

गलन भरी ठंड ने दिल और दमा रोगियों की मुश्किलें बढ़ाई

मुरादाबाद । सर्दी बढ़ने के साथ ही बीते कुछ दिनों से हृदय और अस्थमा के रोगियों की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। इससे पहले इमरजेंसी में दो-चार मरीज ही पहुंचते थे, लेकिन शीतलहर के चलते संख्या बढ़कर 25 से 30 हो गई है। जिला अस्पताल की ओपीडी के साथ निजी अस्पताल की ओपीडी में सांस से संबंधित सौ से अधिक रोगी पहुंचे। हृदय रोग को दिखाने की सलाह दी जा रही है। चेस्ट फिजिशियन डॉ.प्रदीप वार्ष्णेय का चाहिए। जिला अस्पताल में दिल का कोई विशेषज्ञ नहीं है। यहां प्रथम उपचार ही बोले, इन दिनों सांस लेने में दिक्कत वाले मरीज अचानक बढ़ गए हैं। इसके लिए सही से उपचार हो सके। सर्दियों के सीजन में सांस संबंधी समस्या वाले रोगियों साथ पूरे शरीर को गर्म कपड़ों से ढककर रखना चाहिए। ठंड में ब्लड प्रेशर के

कुमार सिंह ने बताया कि शरीर का तापमान सामान्य रखें। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें। नियमित चेक कराते रहें। चिकित्सक द्वारा जो दवा लिखी गई हैं उस दवा की डोज को संशोधित करा लें। इसके अलावा जब सुबह को सोकर उठें तो तुरंत बाहर न निकलें। सांस व अस्थमा के मरीजों को शीतलहर में काफी सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। ये बरतें सावधानी- - बाहर जाते समय स्कार्फ या मास्क पहनें। - प्रदूषण का स्तर अधिक हो तो जरूरी होने पर ही बाहर निकलें। - ठंडी हवा के साथ-साथ ठंडे पेय या खाद्य पदार्थों से भी बचें। - डॉक्टर की बताई गई दवाएं और इनहेलर हमेशा साथ रखें। - सिर ढककर निकलें बीपी रखें नियंत्रित। ऐसे करें बचावअस्थमा, हृदय के मरीज ठंड के साथ ही धुएं से दूरी बनाएं। - सोने से दो से ढाई घंटे पहले पौष्टिक सुपाच्य भोजन कर लें। - पानी हल्का गुनगुना करके पिएं, शरीर में पानी की कमी न होने दें। - हरी सब्जियों के साथ फलों का भी करें सेवन। - धूल और धुएं से रहें दूर। - नियमित रूप से घर की सफाई करें। चादरों को नियमित धोएं। - नम हवा वायुमार्ग को बेहतर रखने में मदद कर सकती है इसलिए यूमिडिफायर का उपयोग करें। - अगर संभव हो तो घर के अंदर ही व्यायाम करें ताकि ठंडी हवा में जाने से बचा जा सके। - धूम्रपान और सिगरेट, अंगीठी, स्टोव के धुएं से दूर रहें।

अस्पतालों में भी रोगियों की कतार लग रही है। बुधवार को जिला विशेषज्ञ न होने की वजह से मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद विशेषज्ञ कहना है कि सर्दी में अस्थमा और हृदय के रोगियों को एहतियात बरतनी दिया जा सकता है। सांस के रोगियों का भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। इमरजेंसी में पर्याप्त मात्रा में दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ताकि मरीजों का को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। इन दिनों गर्म पानी के सेवन के मरीजों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। जनरल फिजिशियन डॉ. आशीष

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शासन की टीम को प्रसूताओं के अधूरे मिले टीकाकरण कार्ड, छह सदस्यीय टीम ने अस्पताल पहुंचकर की जांच पडताल की

अधिवक्ता और सभासद ने टीम के सामने रखी समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच/ पूरनपुर-पीलीभीत।शासन से आई टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्यकेंद्र पहुंच कर निरीक्षण किया।इस दौरान टीम को लेबर रुम में भर्ती प्रसूताओं के टीकाकरण कार्ड अधूरे मिले। इस पर मौजूद जिम्मेदारों को निर्देश दिए। इसके अलावा शौचालय में में गंदगी मिलने पर भी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान अधिवक्ता और सभासदों ने भी अपनी समस्याओं को रखा। टीकाकरण और अन्य जानकारी करने के लिए शासन की ओर से टीम का गठन किया गया। गुरुवार टीम दोपहर बाद करीब तीन बजे सरकारी अस्पताल पहुंची। टीम ने यहां पर आकर पहले प्रभारी चिकित्साधिकारी से जानकारी जुटाई। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का जायजा लिया। टीम के एक सदस्य ने ओपीडी की गैलरी में जाकर शौचालय निरीक्षण किया। यहां पर अंदर गंदगी

■फोटो -01प्रसूताओं के टीकाकार कार्ड चेक करती टीम

मिली इसको ठीक करवाने के लिए चीफ फार्मासिस्ट जितेन्द्र कुमार को निर्देश दिए गए।इसके बाद टीम के सदस्यों ने लेबर वार्ड का निरीक्षण किया। यहां पर भर्ती रम्पुरा कपूर की रहने वाली प्रसूता के टीकाकरण का कार्ड देखा। यह कार्ड अधूरा मिला। इस पर वहां मौजूद जिम्मेदारों को निर्देश देते हुए कहा कि टीकाकरण कार्ड हर हाल में भरा जाए। इसके लिए आशा और एएनएम को निर्देशित करने की बात कही गई। कोल्डचैन में निरीक्षण में कुछ कमियां पाई गई दुरुस्त करने के निर्देश प्रभारी संजीव नायर से कहा गया। टीम ने गांव पिपरिया दुलई में भी जाकर जांच पडताल की। यहां पर भी टीकाकरण को देखा। टीम में यूनीसेफ के आरिफ,सत्यवीर के अलावा लोग शामिल थे। इसके अलावा निरीक्षण के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा.मनीष राज शर्मा, डा.राशिद,डा.सूरज पांडेय,बीसीपीएम मीनीक्षी दुबे सहित कई लोग मौजूद थे।

सड़क पर उतरे कांग्रेसी , पुलिस ने कार्यकर्ताओं को लिया हिरासत में

भाजपा सरकार के खिलाफ किया उग्र प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने से संबंधित बिल के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस ने चौकी चौराहा पर बरेली में आक्रामक प्रदर्शन किया, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क जाम करने की कोशिश भी की । हालातों को बिगड़ते देख कोतवाली पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कई कांग्रेस जनों को हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचा दिया।

कांग्रेस नेताओं ने चौकी चौराहा स्थित गांधी पार्क में धरना दिया और केंद्र की एनडीए सरकार पर लोकतंत्र को कुचलने के गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना से

महात्मा गांधी का नाम हटाना केवल प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि देश की विचारधारा और विरासत पर सीधा हमला है। आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पूरी तरह तानाशाही रवैया अपनाए हुए है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा लगाए गए आरोपों को अदालत द्वारा खारिज किए जाने के बावजूद, केंद्र सरकार बदले की भावना से उनके खिलाफ नई कार्रवाई की साजिश रच रही है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के जिलाध्यक्ष अशफाक सकलैनी को थाना सिरौली में अवैध रूप से हाउस अरेस्ट कर रखा गया है। उनका मोबाइल फोन बंद जा रहा है और उनसे किसी भी प्रकार का संपर्क नहीं हो पा रहा, जो खुली राजनीतिक दमनकारी कार्रवाई का जीता जागता उदाहरण है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

चीनी मिल के दो अधिकारी हुए सस्पेंड

क्यूँ न लिखूँ सच/ बीसलपुर सहकारी चीनी मिल की मरम्मत को शासन द्वारा दिए गए करोड़ों रुपए का दुरुपयोग करने से सहकारी चीनी मिल बीसलपुर की सही से मरम्मत न करने के कारण चीनी मिल बार-बार चालू सत्र में बंद हो रही है जिससे गन्ना किसानो को कई कई दिन गन्ना तौल न होने से कड़ाके की ठंड में परेशानी हो रही किसानों ने इसकी शिकायत लगातार सांसद एवं केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद से की जिससे चीनी मिल एवं गन्ना किसानो के हितों को ध्यान में रखते हुए जितिन प्रसाद ने प्रमुख सचिव गन्ना एवं चीनी मिलें उत्तर प्रदेश शासन एवं जिलाधिकारी पीलीभीत को जांच कर कार्रवाई करने एवं समस्या का समाधान करने के लिए निर्देश दिए जिसके उपरांत सहकारी चीनी मिल बीसलपुर के चीफ केमिस्ट एवं चीफ इंजीनियर को सस्पेंड किया गया एवं चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक एवं सीसीओ के विरुद्ध भी अभी जांच जारी है चीनी मिल एवं गन्ना किसानो के हितों में किए गए कार्य को गन्ना किसानों की ओर से सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का निष्पक्ष और न्यायकारी कार्य प्रणाली के लिए आभार व्यक्त किया गया

बहला फुसलाकर युवती को भगाया 45 हजार रुपए की नकदी सहित लाखों के जेबर ले जाने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ एक दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज। बीसलपुर। बहला फुसलाकर भगाने और 45 हजार रुपए की नकदी सहित लाखों रुपए के जेबर ले जाने के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक दर्जन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। बीसलपुर के मोहल्ला निवासी एक युवक ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि उसकी 22 वर्षीय बहन को वसीम, इरशाद, दिलशाद, आमिर, मुमताज, वसीम की माता, अमन, रौनक, निवासी खटीमा ऊधम सिंह नगर, इशरत, महक हनीफ, रिफा निवासी बीसलपुर ने बहला फुसलाकर भगा ले गए जो अपने साथ 45 हजार रुपए कीनकदीऔर लाखों रुपए के जेबर साथ लेकर गयी है पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

अपर जिलाधिकारी ने शहर में रैन बसेरों का किया निरीक्षण गरीब व जरूरतमंद ठंड में रैन बसेरों से न रहे कोई वंचित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । अपर लाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह ने विगत दिवस देर रात शहर के रैन बसेरों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) ने पुराना बस अड्डा, सैटेलाइट, रेलवे स्टेशन सहित

शहर कई स्थानों पर फुटपाथ पर सो रहे निसहाय लोगों को कंबल वितरित किया और रैन बसेरों में आश्रय भी दिलाया। निरीक्षण के समय ठंड के दृष्टिगत रैन बसेरे में आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे- साफ-सुथरे रजाई-गददे, गरम पानी, अलाव आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये तथा कोई व्यक्ति ठंड मे खुले मे ना सोये इसका भी विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड आदि स्थानों पर रैन बसेरों की सूची चस्पा की जाये, जिससे आमजन को जानकारी हो सके और वह खुले आसमान में सोने के बजाय रैन बसेरे का लाभ उठा सकें। निरीक्षण के समय उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद, नायब तहसीलदार विदित सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मानवता हुई शर्मसार:पैसे नहीं भरने पर अस्पताल ने बेटे का रोका शव , पिता ने सड़क किनारे मांगी भीख

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मानवता को शर्मसार करने वाली घटना हुई। एक युवक की मौत के बाद उसके पिता को सड़क किनारे भीख मांगनी पड़ी जिससे की वो अस्पताल के पैसे चुकाकर बेटे का शव ले जा सकें। घटना पीलीभीत बाईपास स्थित निजी अस्पताल की है। अस्पताल में इलाज के दौरान घायल युवक की मौत के बाद हंगामा हो गया। परिजनों का आरोप है कि 2.5 लाख रुपये देने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने 2.5 लाख रुपये और मांगे। रुपये नहीं होने पर अस्पताल के स्टाफ ने शव देने से इंकार कर दिया।

बता दें कि मृतक के पिता का भीख मांगते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो इज्जतनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों में सुलह कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। हिन्दुस्तान

वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। बदायूं के हजरतपुर के नगरिया कला निवासी श्यामलाल का बेटा धर्मवीर सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजनों ने उसे पीलीभीत बाईपास स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल में 16 दिन इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। घरवालों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने 2.5 लाख रुपये की मांग करते हुए शव देने से इंकार कर दिया। इसी बीच सोशल मीडिया पर श्यामलाल का एक वीडियो वायरल हो गया जिसमें वह लोगों से भीख मांग रहा था। इज्जतनगर पुलिस को सूचना मिली तो वह निजी अस्पताल पहुंची। जांच में पता चला कि वायरल वीडियो बदायूं के नगरिया कला गांव का है। पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन और मृतक के घरवालों से बातचीत कर मामला शांत कराया। शव का पंचायतनामा कर परिजनों को सौंप दिया।

पैक्ड फूड की तरह बिकेंगे अंडे FSSAI ने अंडा कारोबारियों को दी सख्त हिदायत

अनुपालन हेतु 6 माह की समय सीमा होगी प्रदान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अंडा उत्पादकों, थोक विक्रेताओं व वितरकों को नए पैकेजिंग नियमों से अवगत कराने के उद्देश्य से बुधवार को सिटी प्वाइंट कॉन्फ्रेंस हॉल में एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अंतर्गत आयोजित की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय अपूर्व श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि अब अंडों की बिक्री भी पैक्ड फूड आइटम की श्रेणी में आएगी। उन्होंने बताया कि निर्माता, उत्पादक एवं वितरक द्वारा बाजार में भेजे जाने वाले अंडों को पैकेजिंग विनियम-2011 के अनुरूप पैक करना अनिवार्य होगा।

श्री वास्तव ने बताया कि प्रत्येक पैकेट पर निर्माता का पूरा पता, स्वस्थ्य लाइसेंस नंबर, कुल अंडों की संख्या, खुदरा बिक्री मूल्य, कोड/लॉट नंबर, उत्पादन या

पैकिंग तिथि, तथा समाप्ति/उपयोग की तिथि (E&piry/Use By Date) अंकित करना आवश्यक होगा। इसके साथ ही फूड एलर्जन, पैक खोलने के बाद भंडारण की शर्तें एवं कस्टमर केयर नंबर का उल्लेख भी अनिवार्य किया है ।

स्वस्थ्य द्वारा इन नियमों के अनुपालन हेतु 6 माह की समय-सीमा प्रदान की गई है। इसके बाद नियमों का पालन न करने वाले कारोबारियों के विरुद्ध स्वस्थ एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल ने अंडों की पैकेजिंग प्रक्रिया को लेकर व्यावहारिक जानकारी साझा की। इस अवसर पर ऑनलाइन पोर्टल पर बिक्री हेतु उपलब्ध अंडों की पैकेजिंग के नमूने मंगवाकर प्रदर्शन पैनल के माध्यम से व्यापारियों को नियमों की बारीकियों से अवगत कराया गया।

कार्यशाला में खाद्य सुरक्षा अधिकारी पी.के. राय, श्री सुशील सचान, अनिल प्रताप सिंह, तेज बहादुर सिंह, कमलेश कुमार शुक्ला, आर.पी. वर्मा एवं हिमांशु सिंह उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कारोबारियों की शंकाओं का मौके पर ही समाधान भी किया।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अंडा कारोबारी कार्यशाला में शामिल हुए। उनकी सुविधा के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार द्वारा एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया, जिसके माध्यम से कारोबारियों को समय-समय पर नवीनतम दिशा-निर्देश और सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ।

टीकाकरण हर बच्चे का अधिकार और हर अभिभावक की जिम्मेदारी : सीमओ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । जनपद में दिसम्बर माह टीका उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है 7 इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोजीपुरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसके तहत टीका उत्सव रैली तथा जागरूकता वाहन को जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ प्रशांत रंजन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया ।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि यह प्रचार वाहन बैकुंठपुर, मिर्ज़ापुर तथा रमपुरामाफ़ी आदि गाँव का भ्रमण कर लोगों को टीकाकरण के लाभों के बारे में जागरुक करेगा 7 इसके साथ ही रोस्टर के अनुसार प्रचार वहां अन्य सीएचसी के विभिन्न ग्रामीण इलाकों से गुजरेगा 7 मुख्य चिकत्सा अधिकारी डॉ विश्राम सिंह ने बताया कि जो बच्चे किन्ही कारणों से नियमित टीकाकरण से छूट गये हैं उन्हें टीकों से आच्छादित करने के

उद्देश्य से टीका उत्सव मनाया जा रहा है 7 टीका न लगवाने के कई कारण होते हैं - जैसे कि लाभार्थी उस जगह को छोड़कर कहीं और चले गए हैं, भ्रांतियां हैं, टीका लगाने के बाद में तबियत खराब हो जाती है आदि, जबकि टीका लगने के बाद यदि बुखार आता है तो इसका मतलब है कि टीका प्रभावी है 7 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों को इसके लिए जागरूक किया जा रहा है 7 घर के समीप ही टीकाकरण सत्र लगाये जा रहे हैं और टीकाकरण सत्र के एक दिन पहले लोगों को जानकारी दी जा रही है 7

डॉ.रंजन ने बताया कि टीका 12 जानलेवा बीमारियों से तो बचाता है 7 साथ ही प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है कुपोषण से बचाता है 7 टीकाकरण पूर्णतया निःशुल्क है और स्वास्थ्य केन्द्रों सहित वीएचएसएनडी पर घर के समीप होता है 7 इससे लोगों को स्वास्थ्य केंद्र तक जाने के लिये रूपये खर्च नहीं करने पड़ते हैं 7 अभिभावक शून्य से पांच साल तक के बच्चों को पांच साल में सात बार टीका लगवाकर 12 जानलेवा बीमारियों से बचाएं 7 उन्होंने कहा एक भी टीका छूटा, सुरक्षा चक्र टूटा - टीकाकरण हर बच्चे का अधिकार और हर अभिभावक की जिम्मेदारी है । इस अवसर पर श्रीमती शालिनी बिष्ट सीएसओ (गावी), प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ सतीश कुमार चौधरी, धर्मेंद्र चौहान (वैक्सीन कोल्ड चैन मैनेजर) यूएनडीपी, मुकेश कुमार (स्वास्थ्य पर्यवेक्षक) व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा । इन 12 जानलेवा बीमारियों से होता है बचाव = पोलियो, टीबी, हिपेटाइटिस, टिटेनस, इन्फ्ल्यूएन्जा, काली खांसी, गलघोंटू, खसरा, रूबेला, डायरिया, निमोनिया और जापानी इन्सिफेलाइटिस 7

कड़ाके की सर्दी व शीतलहर से बचाव हेतु जिले में 29 रैन बसेरे संचालित

141 स्थानों पर जल रहे अलाव साथ ही गरीबों को दिए जा रहे कम्बल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शीत लहर के दृष्टिगत प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है साथ ही सतर्कता बरती जा रही है, कि कोई भी व्यक्ति ठण्ड में खुले में सोने को मजबूर ना होने पाए , कड़ाके की सर्दी और शीतलहर से बचाव हेतु 29 रैन बसेरे संचालित किये जा रहे हैं, अलाव जलवाए जा रहे हैं तथा गरीब बेसहारा लोगों को कम्बल वितरण भी किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जनपद में राजस्व आपदा विभाग की ओर से 6185 कंबलों की खरीद की जा चुकी है जो तहसीलों को

आवंटित किए जा चुके है, आज तक 2676 का वितरण भी किया जा चुका है। जनपद में 29 रैन बसेरा संचालित है और 141 स्थान अलाव हेतु चिन्हित है। सभी ग्रामीण क्षेत्र में तहसील के द्वारा और नगर क्षेत्र में अधिशासी अधिकारी और नगर निगम द्वारा अलाव जलवाया जा रहा है। उपजिलाधिकारी तथा तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि लगातार निरीक्षण करते रहें और सर्दी से आम जनमानस, राहगीरों को कोई समस्या न हो।जनपद बरेली की तहसील आंवला में 05, बहेड़ी में 05, सदर में 07, फरीदपुर में 06, मीरगंज में 04 तथा नवाबगंज में 02 कुल 29 रैन बसेरे संचालित हैं ।

कानों देखी: अमित शाह ने बताया सब कंट्रोल में है; कर्नाटक में ठंडी खीर खाना चाहता है कांग्रेस आलाकमान

भाजपा ने अपना नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया है। 10-12 दावेदारों को पछाड़ते हुए युवा नितिन नबीन इस पद पर विराजमान हुए हैं। इसमें दो नेता ऐसे भी थे जो प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को भी प्रिय थे।भाजपा ने अपना नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया है। 10-12 दावेदारों को पछाड़ते हुए युवा नितिन नबीन इस पद पर विराजमान हुए हैं। इसमें दो नेता ऐसे भी थे जो प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को भी प्रिय थे। माना जा रहा था कि इनमें से कोई एक चेहरा भाजपा की कमान संभाल सकता है, लेकिन लॉटरी लगी नितिन नबीन की। इसके बाद नितिन नबीन को सूचना देने से लेकर शेष जिम्मेदारी अमित शाह ने निभाई। नितिन नबीन दिल्ली आए तो उनके स्वागत में भाजपा मुख्यालय पर फ्रंट लाइन के नेता खड़े थे। सबके चेहरे के हाव-भाव अलग संदेश दे रहे थे। अमित शाह को इसे भांपते देर न लगी। लिहाजा मंगलवार को गृहमंत्री ने संसद भवन के अपने दफ्तर में खबरचियों से संवाद किया। पूरे संवाद का लब्बोलुआब यही था कि सब 'अपने कंट्रोल'में है। इस उम्र में कितना बोझ उठवाओगे- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 83 के हो चुके हैं। भोजन के शौकीन हैं। ऊपर से हर बात पर राहुल गांधी से चर्चा जरूरी है। पार्टी के ही एक बड़े नेता कहते हैं कि अभी तक हमारे अध्यक्ष की एक प्रॉपर टीम भी नहीं बन पाई। उनके पास सचिन पायलट मिलने आए, बिना समाधान के लौट गए। खैर, सचिन को तो लौटना ही था, क्योंकि उनके पास राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की शिकायत के सिवा कुछ खास नहीं होता। अशोक गहलोत से खरगे की अच्छी निभती है। इसी तरह कई राज्यों के नेता समय लेकर आते हैं, लेकिन जैसे आते हैं, उसी तरह से लौट जाते हैं। अपने गृहराज्य कर्नाटक में भी उनकी आधी-अधूरी चलती है। ऊपर से एक के बाद एक राज्य के महत्वपूर्ण चुनाव आ रहे हैं। बताते हैं कि अभी संसद भवन में मजाकिया लहजे में खरगे ने अपने एक सहयोगी से कह दिया कि आखिर इस उम्र में कितना बोझ उठवाओगे? ठंडी खीर खाना चाहता है कांग्रेस आलाकमान- कर्नाटक में एक बड़ा मुद्दा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कब तक अपने पद पर रहेंगे? रणदीप सुरजेवाला कहते हैं कि इस बारे में आप लोगों की भविष्यवाणी फेल हो गई। सिद्धारमैया अभी अपने पद पर हैं। आगे 'गेस'कीजिए। वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ऐसे सवाल का कोई उत्तर नहीं देना चाहते। खुद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बता दिया कि जब तक कांग्रेस हाई कमान चाहेगा, तब तक वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहेंगे। सिद्धारमैया ने आगे कहा कि कर्नाटक की जनता ने कांग्रेस को पांच साल शासन करने के लिए जनादेश दिया है। दरअसल यह मामला ठंडा पड़ गया था, लेकिन रामनगरा से कांग्रेस विधायक एचएस इकबाल हुसैन ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि 06 जनवरी को डीके शिवकुमार राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे। दरअसल, कांग्रेस हाईकमान कर्नाटक में ठंडी खीर खाना चाहता है। वह चाहता है कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच में शांति से सब ठीक हो जाए। क्योंकि सिद्धारमैया ओबीसी के बड़े नेता हैं। कर्नाटक में उनका जनाधार और साफ-सुथरी छवि है। दूसरी तरफ डीके शिवकुमार पार्टी के अनुशासित सिपाही हैं। उत्तर प्रदेश में क्या होने वाला है?-पंकज चौधरी के हाथ में प्रदेश की कमान आने से भाजपा की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विरोधी लॉबी काफी खुश है। तर्क दिया जा रहा है कि अब कुर्मी, कोईरी, कुशवाहा, मौर्या समेत अन्य पिछड़ा वर्ग में पार्टी का जनाधार बढ़ जाएगा। अब यही लॉबी बताने में जुटी है कि राज्य में जल्द ही कुछ बड़ा होने वाला है। राज्य में अगड़ा-पिछड़ा सब बैलेंस होगा। हालांकि दिल्ली वाले जान रहे हैं कि अभी उत्तर प्रदेश की राह में बड़े कांटे हैं। हेमंत सोरेन के संपर्क में राहुल गांधी-झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता विपक्ष राहुल गांधी एक दूसरे के संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने, जेल जाने और फिर मुख्यमंत्री बनने के सफर तक राहुल गांधी ने हेमंत का हौसला बढ़ाया था। बिहार चुनाव के दौरान पैदा हुई परिस्थितियों ने हेमंत को काफी खिन्न कर दिया था। बताते हैं कि भनक पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को लगी। इसके बाद राहुल गांधी सक्रिय हो गए। राहुल इस समय एक प्रयास और कर रहे हैं। वह इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का दयरा बढ़ाने में लगे हैं। ताकि आगामी राज्यों के चुनाव में भाजपा की चुनौती से निपटा जा सके। कितनी बड़ी रेखा खींच पाएंगी रेखा - रेखा के मंत्रिमंडल में शामिल चेहरों में इसका उत्तर तलाशने पर कई रंग देखने को मिलते हैं। कोई दबी जुबान से रेखा के प्रशासनिक कामकाज के अनुभव पर ही सवाल उठा देता है। दूसरी तरफ रेखा हैं कि लगातार बड़ी रेखा खींचने में व्यस्त हैं। हां, दिल्ली में प्रदूषण और खराब वायु गुणवत्ता ने मुख्यमंत्री को तंग कर रखा है। अभी एक कार्यक्रम में उन्हें हूटिंग का भी सामना करना पड़ा। जहां बड़ी संख्या में लोग एक्यूआई, एक्यूआई का नारा लगाने लगे। आम आदमी पार्टी ने भी इसे भुनाने में जरा देर नहीं लगाई। तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल कराया। खबर यह भी है कि दिल्ली भाजपा के एक बड़े नेता के करीबी ने भी इसमें जोरदार दिलचस्पी दिखाई।शीतकालीन सत्र से विपक्ष खुश बिहार चुनाव के नतीजे ने जितना विपक्ष को निराश किया, लोकसभा के शीतकालीन सत्र से वह उतना ही खुश है। टीएमसी की एक राज्यसभा सदस्य कहती हैं कि विपक्ष ने सत्ता पक्ष को 'धो'डाला। कांग्रेस की सांसद रेणुका चौधरी सत्ता पक्ष की चुटकी लेने से जरा भी पीछे नहीं रहतीं। विपक्ष के सांसदों को सबसे अच्छा पल केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राहुल गांधी के बीच में हुई भिडंत का लगता है। जहां राहुल गांधी ने सीधे खड़े होकर अमित शाह को एसआईआर के मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती दे दी।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर कार और ट्रक की टक्कर, मेरठ के पिता-पुत्र समेत एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

सरधना निवासी विशेष का परिवार धार्मिक स्थल की यात्रा पर गया था। बृहस्पतिवार सुबह भीषण हादसा हो गया। पुलिस ने कार को काटकर शव निकाले। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरधना के अलीपुर गांव से वाराणसी के लिए निकला विशेष का परिवार बृहस्पतिवार सुबह भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार के ट्रक से टकराने पर विशेष, उनके 10 वर्षीय पुत्र अक्ष और पत्नी के ममेरे भाई नवनीत की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हैं, जो जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। हादसे ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया।अलीपुर गांव निवासी विशेष पुत्र ओमवीर अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर वाराणसी जा रहे थे। कार में पत्नी डोली, बेटा कार्तिक और अक्ष, बेटी अंशिका और नवनीत सवार थे। घर से निकलते समय किसी को अंदाजा नहीं था कि यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा बन जाएगी।बृहस्पतिवार सुबह आजमगढ़ जिले के मुबारिकपुर क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस और राहतकर्मी मौके पर पहुंचे। कार को काटकर घायलों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक तीन जिंदगियां हमेशा के लिए खामोश हो चुकी थीं। हादसों से नहीं उबर पाया परिवार- विशेष का छोटा भाई दिनेश भी करीब डेढ़ वर्ष पूर्व सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था और अब तक बिस्तर पर ही है। इस हादसे ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है। गांव के लोग परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे लेकिन शब्द भी कम पड़ गए। गांव में पसरा सन्नाटा- पिता और बेटे की एक साथ मौत से अलीपुर गांव में सन्नाटा छा गया है। हर गली-मोहल्ले में बस इस हादसे की ही चर्चा है। लोग ईश्वर से घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं, जबकि मृतकों के घरों से उठती सिसकियां माहौल को और गमगीन बना रही हैं। विशेष खेती के साथ-साथ टैक्सी चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। सीमित आमदनी के बावजूद बच्चों की पढ़ाई और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते थे। ग्रामीणों के अनुसार विशेष सरल स्वभाव का और धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था। उसकी असमय मौत से ग्रामीणों को गहरा सदमा पहुंचा है। एक पल में उजड़ गया परिवार- विशेष के परिवार की खुशियों की तैयारी एक पल में मातम में बदल गईं। वाराणसी जाने की योजना में बच्चों के उत्साह और धार्मिक आस्था का समावेश था। नवनीत के लिए रिश्ते की बातचीत होनी थी, परंतु हादसे ने इस योजना को हमेशा के लिए रोक दिया। गांव के लोग अभी भी हादसे की दहशत से उबर नहीं पाए हैं। विशेष के छोटे भाई दिनेश की गंभीर चोटों के कारण पहले से ही परिवार दुख में था। अब इस हादसे ने परिवार के सदस्यों और पूरे गांव के लिए गहरे दुख का पहाड़ खड़ा कर दिया है। ग्रामीण बताते हैं कि विशेष अपने बच्चों के भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत करता था। बच्चों की पढ़ाई और परिवार की जरूरतों के लिए अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग करता था। उसकी असमय मौत ने न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव के लोगों की आंखों में आंसू भर दिए हैं।

सफलता की कहानी: एक बगिया माँ के नाम से खिला खुशहाली का बगिया , धनको बाई और मायावती बनीं स्वावलंबन की मिसाल

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, ब्यूरो। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत एक बगिया माँ के नाम परियोजना नई दिशा में महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की राह बना रही है। इस योजना से न केवल महिलाओं को आजीविका का स्थायी माध्यम मिल रहा है, बल्कि ग्रामीण अंचलों में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। शिवपुरी जिले के कोलारस विकासखंड के ग्राम मोहराई और राजगढ़ की स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिला हितग्राही श्रीमती धनको बाई और श्रीमती मायावती इस योजना का प्रत्यक्ष उदाहरण बनी हैं। जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. अरविंद भार्गव एवं ब्लॉक मैनेजर संजय चौहान के मार्गदर्शन में दोनों हितग्राहियों के खेत पर फलोद्यान का कार्य किया गया। ग्राम मोहराई निवासी श्रीमती धनको बाई के खेत पर आम के पौधों का रोपण किया गया, जबकि ग्राम राजगढ़ की श्रीमती मायावती के खेत पर अमरूद के पौधे लगाए गए हैं। पौधों की सुरक्षा हेतु तार फेंसिंग का कार्य भी समय सीमा में संपन्न कराया गया। दोनों हितग्राहियों ने पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी स्वयं ली है और उन्हें जीवित रखकर बगिया के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है। योजनांतर्गत बगिया निर्माण से न केवल कृषक महिलाओं की आर्थिक आय में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण परिवेश में महिला स्वावलंबन का सशक्त संदेश भी जाएगा। एक बगिया माँ के नाम के माध्यम से अपने खेतों पर फलोद्यान विकसित कर रही श्रीमती धनको बाई और श्रीमती मायावती ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जिला प्रशासन शिवपुरी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उनके जीवन में नई उम्मीद लेकर आई है अब उनकी बगिया न सिर्फ हरियाली देगी, बल्कि समृद्धि की कहानी भी लिखेगी। दोनों हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन को हृदय से धन्यवाद दे रही हैं।

आशा कार्यकत्रियों की हड़ताल, सीएचसी पर किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रोत्साहन राशि समेत कई अन्य बकाया का भुगतान नहीं होने से नाराज आशा कार्यकत्रियों ने हड़ताल शुरू कर दी है। सीएचसी पर लंबित मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के बैनर तले आशा और आशा संगिनियों ने प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वर्ष 2025 के कई महीनों की प्रोत्साहन राशि और राज्य बजट का भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने आशा कार्यकत्रियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, आशा को 21 हजार और संगिनी को 28 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन देने, वर्ष 2019 से 2025 तक के सभी बकाया एरियर व प्रोत्साहन राशि के भुगतान, ईपीएफ, ईएसआई, पेंशन और 50 लाख रुपये जीवन बीमा की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया युवक तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पूरनपुर-पीलीभीत। नाबालिक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया युवक माधोटांडा पुलिस ने तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना माधोटांडा क्षेत्र के गांव महाराजपुर की रहने वाली शांति विश्वास पत्नी नरेश विश्वास ने पुलिस को तहरीर देकर बताया मेरी नाबालिक पुत्री 15 दिसंबर की सुबह से लापता हो गई है।उसको काफी तलाश किया था।उसके बाद पता चला राकेश सरकार पुत्र रतन सरकार निवासी जोशी कालोनी न्यूरिया मेरी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया पूछने पर उन लोगों ने कोई सटीक जानकारी नहीं है। पीड़ित शांति विश्वास की तहरीर पर राकेश सरकार,रतन सरकार जोशी कालोनी न्यूरिया और विजय उर्फ लल्ला पुत्र सुधांशु निवासी गभिया सहराई थाना माधोटांडा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

साली को भगा ले गया जीजा तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/ पूरनपुर-पीलीभीत।साली को बहला फुसलाकर भगा ले गया जीजा थाना माधोटांडा पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।थाना माधोटांडा क्षेत्र के गांव डगा निवासी मंजूर खा पुत्र शकूर खा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया मेरी पुत्री रिफा बी उम्र 18 बर्ष को 15 दिसंबर को दोपहर में मेरा दामाद मुकीम पुत्र नूर मोहम्मद,मोहिद खां और तोफीक खां तीनों भाई निवासी सुखदास पुर नवदिया थाना माधोटांडा बहला फुसलाकर भगा ले गया। पीड़ित ने आरोप लगाया मुकीम का अपनी पत्नी का सारा जेवर भी अपने साथ ले गया। पीड़ित मंजूर खा ने काफी तलाश किया लेकिन कुछ पता नहीं चल सका।थाना माधोटांडा पुलिस ने दामाद मुकीम खा,मोहिद खां और तौफीक खा पुत्र नूर मोहम्मद निवासी नवदिया सुखदासपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

गन्ना क्रय केंद्र प्रभारी व सुपरवाइजर पर मुकदमा दर्ज।

क्यूँ न लिखूँ सच/ बीसलपुर। दियोरिया कला गन्ना क्रय केंद्र ए पर हुई घटतौली के मामले में गन्ना सचिव राजेश कुमार की तहरीर पर दियोरिया कोतवाली में क्रय केंद्र प्रभारी और सुपरवाइजर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है गत दिवस शाम को विधायक विवेक वर्मा ने क्रय केंद्र पर पहुंच कर घटतौली और अवैध वसूली पकड़ी थी सहकारी गन्ना समिति बीसलपुर के सचिव राजेश कुमार ने दियोरिया पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई सचिव राजेश कुमार द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया है कि वह विधायक विवेक वर्मा के साथ गत दिवस शाम को एल एच शुगर फैक्ट्री पीलीभीत के गन्ना क्रय केंद्र दियोरिया कला ए गन्ना क्रय केंद्र निरीक्षण करने गए थे निरीक्षण के दौरान तौल लिपिक कमल कुमार पुत्र श्री राम निवासी ग्राम जमुनिया थाना माधौटांडा की तैनाती दियोरिया कला प्रथम पर थी केंद्र पर प्रभारी कमल कुमार खुद मौजूद थे निरीक्षण के दौरान तौल लिपिक से कांटा बाट माप करने को कहा गया लेकिन उनके द्वारा जांच कार्य में किसी तरह का सहयोग नहीं किया गया जिस कारण कांटे की जांच नहीं हो सकी जांच के समय क्रय केंद्र पर धर्मकांटे की रसीदें मिली जिससे पता चला कि क्रय केंद्र पर गन्ने की तौल नहीं की जा रही है धर्मकांटे की रसीद में कटौती कर गन्ने की पर्ची बनाई जा रही है क्रय केंद्र पर किसान उस्मान खान का गन्ना वाहन चालक धर्म सिंह के द्वारा लाया गया उसके धर्मकांटे की रसीद पर 32.80 कुंटल वज़न अंकित था किन्तु पर्ची के पीछे 31.70 कुंटल वज़न अंकित था जिससे घटतौली की आशंका जताई गई है मौके पर धर्मकांटे की 14 पर्चियां बरामद हुई हैं मौके पर मौजूद किसानों द्वारा बताया गया कि गन्ना अनलोडिंग के लिए किसानों से 100 रुपए प्रति ट्राली लिया जा रहा है जबकि यह नियम विरुद्ध है सचिव की तहरीर पर दियोरिया पुलिस ने तौल लिपिक कमल कुमार और गन्ना सुपरवाइजर चिंता राम वर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। प्रभारी निरीक्षक गौतम सिंह ने बताया कि सचिव राजेश कुमार की तहरीर पर तौल लिपिक कमल कुमार गन्ना सुपरवाइजर चिंता राम वर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शादी के तीन साल बाद विवाहिता को मार-पीट कर घर से निकाला

क्यूँ न लिखूँ सच/ पति के गांव की दूसरी औरत से संबंध रखने का आरोप। पुलिस को दी तहरीर। बीसलपुर। शादी के तीन साल बाद विवाहिता को मार-पीट कर ससुराल वालों ने मायके छोड़ दिया है पत्नी ने पति का गांव की दूसरी औरत से संबंध रखने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। गजरौला थाना क्षेत्र के गांव इटौरिया ता बिहारी पुर निवासी गनपत राम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी दियोरिया थाना क्षेत्र के गांव गुलड़िया राधे निवासी जगदीश प्रसाद के पुत्र प्रदीप कुमार के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार तीन साल पहले की थी जिसमें उन्होंने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था कुछ दिन सब कुछ ठीक रहा बाद में पता चला कि उसके पति के गांव की दूसरी लड़की से संबंध हैं जिसकी शिकायत विवाहिता ने अपने ससुर जगदीश सास राम श्री जेठ जसपाल जेठानी मीरा देवी मिलकर मारपीट करने लगे और प्रदीप द्वारा अपनी पत्नी को उसके मायके छोड़ दिया है पीड़िता ने पिता के साथ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक गौतम सिंह ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

62वीं वाहिनी एसएसबी का तीन दिवसीय भ्रमण सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती रत्न संजय, महानिरीक्षक, सीमांत मुख्यालय लखनऊ का 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा मुख्यालय एवं उसके कार्यक्षेत्र का तीन दिवसीय भ्रमण सम्पन्न हुआ।

भ्रमण के प्रथम दिवस महानिरीक्षक द्वारा सीमा चौकी सुईया का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का गहन जायजा लिया तथा सीमा पर तैनात जवानों से संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना। जवानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित निदान हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। तत्पश्चात महानिरीक्षक द्वारा सीमा चौकी सुईया में रात्रि विश्राम किया गया।

द्वितीय दिवस पर महानिरीक्षक द्वारा 62वीं वाहिनी मुख्यालय भिनगा का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने जवानों को विभिन्न सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ-साथ ऑनलाइन फ्रॉड जैसे समसामयिक विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा इससे बचाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सम्मेलन के दौरान जवानों की समस्याओं को भी सुना गया और उनके समाधान का आश्वासन दिया गया। इसी दौरान वाहिनी में 'बड़ा खाना' का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं जवानों ने एक साथ भोजन कर आपसी सौहार्द, एकता एवं भाईचारे का परिचय दिया। इसके अतिरिक्त महानिरीक्षक द्वारा अश्वनी कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी श्रावस्ती के साथ बैठक कर जिले की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित गंभीर एवं महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इसके पश्चात महानिरीक्षक सीमा चौकी गुज्जर गौरी के लिए रवाना हुए, जहाँ उन्होंने सीमा सुरक्षा से संबंधित उपकरणों, डिफेंस संसाधनों एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान जवानों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना तथा सीमा सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। सीमा चौकी गुज्जर गौरी में रात्रि विश्राम उपरान्त महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय के लिए रवाना हुए।

इस अवसर पर अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी, ललेंद्र रत्नाकर, द्वितीय कमान अधिकारी सहित वाहिनी के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मटेरा बाजार में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना %मिशन शक्ति फेज 5.0% के अंतर्गत मिशन शक्ति/एंटी रोमियो अभियान के तहत थाना मटेरा क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मटेरा बाजार में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को मिशन शक्ति, साइबर अपराध अभियान तथा महिलाओं पर हो रहे अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा बालिकाओं की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनकी व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में पूछताछ की गई और समाधान हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए आदेशों एवं निर्देशों के क्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त बच्चों के बीच सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सही उत्तर देने वाले बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार वितरित किए गए। महिला संबंधी घटित अपराधों की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1090, 1098, 1076, 112, 181, 108 तथा साइबर संबंधित अपराधों की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। मिशन शक्ति टीम ॥ष्ट दिग्विजय सिंह म0आ0 प्रीती यादव म0आ0 निधि पासवान म0आ0 ज्ञानमती यादव थाना मटेरा जनपद बहराइच

निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर 19 दिसंबर को शिविर में मोतिया बिंद ऑपरेशन शिविर और जांच आदि होगी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) विमल क्लीनिक के प्रभारी/ संचालक डा कुलदीप सिंह नेत्र परीक्षक ने बता या है कि दिनांक 11 दिसंबर दिन गुरुवार को विमल क्लीनिक मारकंडेश्वर तिराहा नया पटेल नगर कोंच में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है यह शिविर कैंप सुबह दस बजे से दो बजे तक चलेगा जिसमें योग्य डाक्टरों द्वारा परीक्षण किया जावेगा साथ ही निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर भी आयोजित है जिसने नेत्र से संबंधित रोगों की जांच की जावेगी साथ सभी को निशुल्क दवा वितरित की जावेगी उन्होंने बताया है कि मोतियाबिंद से पीड़ित मरीज अपना आधार कार्ड राशन कार्ड और मोबाइल नंबर जरूर साथ में लावे

अजित पवार की एनसीपी से गठबंधन भाजपा से हाथ मिलाने जैसा, संजय राउत का शरद पवार की पार्टी पर तंज

शिवसेना यूबीटी ने शरद पवार की पार्टी के अजित पवार की पार्टी से संभावित गठबंधन को लेकर नाराजगी जाहिर की है। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा कि यह भाजपा को मजबूत करने जैसा होगा।

को कहा कि पुणे नगर निगम चुनावों के लिए शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) होगा। मीडिया से बात करते हुए राउत ने कहा पुणे नगर निकाय चुनाव के लिए दोनों प्रतिद्वंद्वी मुद्दों पर चर्चा करेंगे।%एनसीपी से गठबंधन, के जवाब में राउत ने कहा, %अजित पवार के जैसा होगा। अजित पवार भाजपा के एजेंट हैं, को मजबूत करने जैसा होगा।% गौरतलब है कि पुणे नगर निगम चुनाव के लिए हाथ मिलाने पर में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगमों में गठबंधन नहीं बीच दोस्ताना मुकाबला होगा। महायुति गठबंधन शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी का से गठबंधन, भाजपा से हाथ मिलाने जैसा कि वह शरद पवार से मुलाकात करेंगे और गुटों के बीच किसी भी समझौते सहित विभिन्न भाजपा को मजबूत करने जैसा% एक सवाल साथ गठबंधन करना भाजपा से हाथ मिलाने और उनके साथ कोई भी तालमेल भाजपा एनसीपी और एनसीपी एसपी, दोनों पार्टियां बातचीत कर रही हैं। इस हफ्ते की शुरुआत कहा था कि भाजपा और एनसीपी पुणे और करेंगे, और दोनों महायुति सहयोगियों के में भाजपा और एनसीपी के अलावा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना भी शामिल है। नासिक और ठाणे में एनसीपी एसपी से गठबंधन- राउत ने कहा कि शरद पवार, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ नगर निकाय चुनावों के लिए एक साथ आने को लेकर सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा कि एनसीपी (एसपी) नासिक और ठाणे में शिवसेना यूबीटी और मनसे के साथ गठबंधन करेगी। राज्य के 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे और मतगणना एक दिन बाद होगी।

कोतवाली में लिखी रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) कोंच कोतवाली में तहरीर देते हुए ग्राम बिरगुवा बुजुर्ग निवासी विवेक कुमार पुत्र कलू ने बताया है कि घटना दिनांक 17 दिसंबर की गांव की है तभी छोटू पुत्र कमलेश चौधरी निवासी ग्राम बिरगुवा बुजुर्ग ने मेरे घर में घुसकर मेरे साथ ओर मेरी पत्नी के साथ गाली गलौज कर दी है और फिर मारपीट भी की है पुलिस ने मुकदमा धारा 333 352 115(2) बी एन एस में दर्ज कर लिया है

ताज़ा खबरों के लिए देखे

WWW.KNLSLIVE.COM

मनरेगा का नाम बदले जाने पर भड़कीं CM ममता, कहा- हम कर्मश्री योजना का नाम महात्मा गांधी पर रखेंगे

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार अपने ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेंगी। इसके साथ ही उन्होंने मनरेगा का नाम बदलकर वीबी जी राम जी करने को लेकर केंद्र की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि रोजगार गारंटी योजना बदलकर महात्मा गांधी के नाम केंद्र सरकार पर निशाना साधते स्कीम से महात्मा गांधी का है; अगर वे राष्ट्रपिता को सम्मान देंगे।केंद्र पर बरसी ममता- बिजनेस एंड इंडस्ट्री कॉन्क्लेव बिना कहा कि अगर कुछ प्रतीकों का सम्मान करने में उनका सम्मान करेंगे। ममता ने कि उन्होंने नरेगा कार्यक्रम से का फैसला किया है। हम अब हैं। अब हम अपने राज्य की

उनकी सरकार ग्रामीण %कर्मश्री% का नाम पर रखेगी। इसके साथ ही हुए ममता ने कहा कि नरेगा नाम हटाया जाना शर्मनाक नहीं दे सकते, तो हम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने में भाजपा का सीधे नाम लिए राजनीतिक दल हमारे राष्ट्रीय विफल रहते हैं, तो हम कहा कि मुझे शर्म आती है महात्मा गांधी का नाम हटाने राष्ट्रपिता को भी भूला रहे कर्मश्री योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेंगे। कर्मश्री योजना के तहत सरकार का दावा है कि वह लाभार्थियों को 75 दिनों तक का काम देती है, इसके बावजूद कि बनर्जी ने कहा कि केंद्र मनरेगा के तहत फंड रोक रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का लक्ष्य भविष्य में %कर्मश्री% के तहत काम के दिनों की संख्या बढ़ाकर 100 करना है। उन्होंने कहा, हमने पहले ही %कर्मश्री% के तहत बहुत सारे कार्यदिवस बनाए हैं, जिसे हम अपने संसाधनों से चला रहे हैं। अगर केंद्रीय फंड बंद भी हो जाते हैं, तो भी हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लोगों को काम मिले। हम भिखारी नहीं हैं। बंगाल भारत का गेटवे% एक बिजनेस और इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में बोलते हुए ममता बनर्जी ने किसी ने कहा कि कुछ लोग सिर्फ बंगाल को बदनाम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि बंगाल पूरी तरह से बदल गया है। यह अब एक वर्ल्ड-क्लास डेस्टिनेशन बन गया है... मैं इंडस्ट्री चलाने वाले उद्योगपतियों की कमिटमेंट का सम्मान करती हूं। राज्य में एसआईआर भी किया जा रहा है। इसलिए सब लोग दूसरे कामों में बिजी हैं। इसीलिए हम यह बिजनेस कॉन्क्लेव कर रहे हैं। कल भी एमएसएमई सेक्टर के लिए एक बड़ी मीटिंग हुई थी, जिसमें 15,000 से ज्यादा उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया था। आज, पश्चिम बंगाल में भारत के सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स हब में से एक है। वर्ल्ड बैंक लॉजिस्टिक्स और एक्सपोर्ट ग्रोथ के लिए राज्य के साथ पार्टनरशिप कर रहा है... इसीलिए हम अमेजन जैसे ग्लोबल दिग्गजों को आकर्षित कर रहे हैं... बंगाल दक्षिण पूर्व एशिया, उत्तर पूर्व भारत, पूर्वी भारत और खासकर बांग्लादेश, भूटान और नेपाल का गेटवे है। हम गेटवे हैं। बंगाल बिहार, झारखंड, ओडिशा और दूसरे राज्यों का भी गेटवे है।

संक्षिप्त समाचार

पेंशनर दिवस में जिलाधिकारी ने पेंशनरों को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में पेंशनरों की समस्याओं को सुनने एवं उनका निराकरण किये जाने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में धूमधाम से पेंशनर दिवस का आयोजन किया गया। पेंशनर दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी एवं अन्य उपस्थित अधिकारियों द्वारा पेंशनरों को फूलमाला व शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। पेंशनर दिवस के अवसर पर पेंशनरों ने अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिस पर जिलाधिकारी ने वरिष्ठ कोषाधिकारी को निर्देशित किया कि पेंशनरों की जो भी समस्यायें हैं, सम्बन्धित अधिकारियों के माध्यम से उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी पेंशनरों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पेंशनर हमारे बीच का अभिन्न अंग है। इसलिए इनकी हर सम्भव मदद की जाए। सेवानिवृत्ति पेंशन भोगी अधिकारियों व कर्मचारियों की समस्याओं का समय सीमा के अन्दर त्वरित निराकरण भी किया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त आहरण वितरण अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले के पेंशनरों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न होने पाए इसका ध्यान रखा जाए जिले में जो भी पेंशन के प्रकरण लम्बित है उन पर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समय से निस्तारण किया जाए। उन्होने कहा कि अधिकारी/कर्मचारी के सेवानिवृत होने के 06 माह पूर्व से ही पेंशन के पूरे प्रपत्र पूर्ण कराते हुए सम्पूर्ण कार्यवाही कर ली जाए ताकि सम्बन्धित को सेवानिवृति के दिन ही उनके देयकों का भुगतान कर दिया जाए।

हादसे में बालक की मौत गुस्साई भीड़ ने ट्रैक्टर फूंका

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती सोनवा थाना क्षेत्र के एकडंगवा गांव में ट्रैक्टर बैएक करते हुए मासूम उसकी चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। हादसे के दौरान गुस्साई भीड़ ने ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया। सोनवा थाना क्षेत्र के एकडंगवा गांव निवासी किसन यादव (2) पुत्र सहजराम घर के पास खेल रहा था। धान कुट्टी मशीन जोड़कर एक ट्रैक्टर गांव में धान कूटने आया था। चालक ट्रैक्टर समेत मशीन को पीछे कर रहा था। तभी किसन ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गया और कुचलकर गंभीररूप से घायल हो गया। आनन फानन में परिजन घायल बालक को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची गिलौला थाने की पुलिस ने दमकल विभाग को सूचित किया। दमकल टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर ट्रैक्टर में लगी आग पर काबू पाया।

देसी शराब के साथ 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ शैलेन्द्र कुमार पांडेय/थाना हरदी पुलिस द्वारा कृत कार्यवाही का विवरण - अभियुक्त बुधई पुत्र राजाराम निवासी बगहापुरवा दा0 परसोहना थाना हरदी बहराइच संबंधित मु0अ0सं0 369/2025 धारा 60 आबकारी अधिनियम को 18 अदद झूम ब्रान्ड टेट्रा पैकेट शराब के साथ किया गया गिरफ्तार

ठंड से बचाव करे हृदय रोगी डा संजीव निरंजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार / कोंच(जालौन) नगर के जाने माने युवा चिकित्सक डा संजीव निरंजन ने बताया है कि लोग बहुत ही सावधानी के मरीजों के लिये के मौसम में जो लोग सतर्कता से रहे इस ठंड जिससे ब्लड प्रेशर सकता है उन्होंने कहा नियमित ले ओर इस प्रेशर वाले पेशेंट नमक

इस ठंड के मौसम में हृदय रोग से पीड़ित से रहे क्यों कि यह ठंड का मौसम हार्ट खराब है उन्होंने बताया है कि इस ठंड ब्लड प्रेशर के मरीज है वह बहुत ही के मौसम में खून गाड़ा हो जाता है बढ़ने लगता है जिससे हार्ड अटैक हो कि ब्लडप्रेशर वाले मरीज अपनी दबा ठंड से बचाव करे साथ ही हाई ब्लड कम खाए घी तेल चिकनाई की चीजें से परहेज रखे ठंडा पानी न लिए हो सके तो ताजा पानी या गर्म पानी का सेवन करे यह शरीर के लिये फायदे मंद साबित होगा हाई ब्लड प्रेशर के मरीज अपना ब्लड प्रेशर डाक्टर से जरूर चेक करा ले इस मौसम में गर्म ऊनी कपड़े पहनकर ही कही जावे और पूरी नींद ले किसी तरह की कोई परेशानी दिखे तो डाक्टर को दिखावे अपनी मर्जी से कोई दवा आदि न खाये

A healthy breakfast option is paneer cheela and spicy green chutney. Just note the easy method.

Paneer cheela is a delicious and healthy breakfast. It's easy to make. The cheela is made by mixing paneer, green chilies, and coriander in a gram flour batter. Serving it with spicy green chutney enhances its flavor. Green chutney is made by grinding coriander, mint, ginger, garlic, and green chilies and adding lemon juice. This breakfast is both healthy and easy to prepare. Eating a healthy breakfast in the morning is very beneficial for health. However, it's often confusing what to make that's both healthy and tasty. So let us help you. Paneer cheela can be a very beneficial breakfast. It's both healthy and delicious. Served with spicy green chutney, it's even more delicious. Let's learn the recipe for paneer cheela and spicy green chutney. Ingredients: Gram flour (besan) 1 cup paneer (grated) 100-150 grams yogurt 2 tablespoons (optional) 1-2 green chilies (finely chopped) finely chopped coriander leaves Spices: Salt, turmeric, carom seeds, red chili powder Vegetables: Finely chopped onion, capsicum (to taste) Oil/ghee for frying Method: First, sift the gram flour into a large bowl. Add salt, turmeric, red chili, and a little carom seeds. Add water little by little to form a medium-thick batter. Be careful not to form lumps. Next, take the grated paneer in a separate bowl. Add finely chopped onion, green chilies, coriander leaves, and a little salt. Heat a non-stick pan and grease it with a little oil. Reduce the heat and pour a tablespoon of the batter into the center of the pan, spreading it evenly. When the top of the pan looks dry, drizzle some oil around the edges, flip it over, and lightly fry the other side. Now flip the cheela back over and spread the prepared paneer stuffing in the center or on one half. Roll the cheela or fold it in half and roast it on low flame until crisp. Spicy Green Chutney Recipe Ingredients: 1 large bowl of coriander leaves (including stems) 1/2 bowl of mint leaves (for freshness) 3-4 green chilies (or to taste) 1-inch piece of ginger 3-4 cloves of garlic 1/4 teaspoon of lemon juice 1 tablespoon of cumin seeds 1/2 teaspoon of salt to taste 2 ice cubes Method: First, wash the coriander and mint leaves thoroughly. Now, add the coriander, mint, ginger, chilies, garlic, cumin seeds, and salt to the mixer jar. Then, add 2 ice cubes or some cold water. This will keep the chutney's color bright green. Now grind it finely and finally add the lemon juice. The spicy green chutney is ready.

Being single is more beneficial than being married; science also confirms that married people live a better life than married people.

According to science, there are many benefits of being single. Single people develop deeper relationships with their friends and family, strengthening their support system. They stay fit because they focus more on their fitness. Single people have more freedom and make their own life decisions, making them self-reliant. Single people are also financially stronger because they have direct control over their expenses. They develop deeper relationships with friends and family. Single people also pursue fitness, allowing for greater freedom and creativity. We often see in films and society the emphasis on finding a "life partner" and settling down. This pressure is so intense that if you're not in a relationship by the age of 30 or 40, people start to think you're lacking. But the reality is that being single isn't a drawback; it should be viewed as a strength. Science has also acknowledged that being single has many benefits. Feeling happy and content with oneself is a balanced and empowering way of life. Let's explore the benefits of being single, according to science. Strong relationships with friends and family: People in relationships often spend all their time and energy on their partners. This results in them distancing themselves from their friends, even though friends are a strong foundation in life. Often, after a breakup, people feel lonely not because their partner is gone, but because no friends left. Instead, single people devote their time to their friends and family, making their support system stronger and more diverse. Several studies have also shown that good friendships are directly linked to longevity and a happy life. Staying ahead in fitness: Have you ever noticed that your single friends often look more fit and attractive? In fact, science also supports this. When people "settle down," they often reduce their focus on fitness. Surveys show that single people exercise more than married people. According to a 2015 study, single people have a lower BMI and weigh less on average. Because they have different priorities and more time, they rarely miss the gym. Furthermore, living alone provides mental peace, as relationships can sometimes be a source of stress. Greater freedom and creativity - The biggest advantage of being single is freedom. You can travel whenever you want, move to another country, or choose a job that requires changing cities. You don't have to ask anyone. Studies have found that being alone increases creativity and productivity. Being single allows you to make your own life decisions, which makes you self-reliant and helps you learn new skills. This independence is crucial for a happy life. Financial stability - Living alone also directly impacts your finances. According to one study, only 21% of single people have credit card debt. This figure is 6% lower than married individuals and nearly 15% lower than married couples with children. Although single people are also vulnerable to inflation, since they are spending solely on themselves, they have direct control over their finances. Furthermore, they have more time to focus on their careers and side businesses, which increases their earning potential.

"Tiger Parenting" Can Make Children Mentally Ill; Excessive Strictness Also Affects DNA

Many parents adopt a strict approach to improve their children's future. They believe this will lead to better outcomes, but a study suggests otherwise. According to this study, strict parenting can impact children's mental health. Tiger Parenting Affects Children's Mental Health Strict parenting can make children prone to depression School bullying also impacts mental health A recent study has revealed that excessively strict parenting, known as "Tiger Parenting," can have a negative impact on children's mental health. In this type of parenting, children are expected to follow orders without question, are punished for mistakes, and their feelings are not considered. New research from Nepal's Tribhuvan University shows that children raised in such environments are at significantly increased risk of depression, anxiety, and stress. Yes, such strict parenting significantly impacts children's mental health. What does the study say? Tiger parenting means extremely strict discipline, high expectations, and a "do as you're told" attitude. Such parents typically pressure their children for a better future, but this pressure gradually takes a toll on them. According to the study, this upbringing can leave children emotionally vulnerable, as they have less opportunity to express themselves or learn from their mistakes. The study interviewed 583 schoolchildren aged 10 to 18. They were asked questions about their parents' behavior and their own mental state. According to the study's lead author, Dr. Anjali Bhatt, children who described their parents as "authoritarian," or very strict, were more likely to experience symptoms of depression, anxiety, and stress. At the same time, children whose parents were cooperative, communicated with them, and set rules sensibly were found to have fewer mental problems. Children tend to feel isolated. The study also revealed that children of strict parents may have slightly higher self-esteem, but this benefit pales in comparison to the negative impact on their mental health. Living under constant pressure and fear can make children feel isolated and helpless, which can deteriorate their emotional health. Bullying at school can also harm mental health. The research revealed another important finding: bullying at school has a profound impact on children's mental health. Children who reported being bullied were two to two and a half times more likely to suffer from depression and anxiety. This clearly shows that children's social environment, especially their school experience, also influences their mental state. The impact is also visible on DNA. Furthermore, some research suggests that the effects of strict parenting can be visible at the level of children's DNA. A UK study found that very strict upbringing can cause changes in children's genes that reduce their ability to deal with stress. This pattern has also been seen in adults suffering from depression. Understanding is also important along with rules - Experts say that rules are important for children, but along with rules, communication and understanding are equally important. When parents explain the reason behind the rules to children, listen to them and adopt a corporative behavior, then both the confidence and mental health of the children remain better. It is clear that the balance between strictness and love is the key to happy and healthy parenting of children.

'Not paid,' 20 years later, Radhika Apte reveals she wasn't paid for a Shahid Kapoor film.

Radhika Apte is one of the most popular actresses in the film industry. Recently, she leveled serious allegations against the producers of her debut film, revealing that she wasn't paid for it.

In 2005, Radhika Apte made her debut in a Shahid Kapoor film. She leveled serious allegations against the producer. Radhika Apte is known as a renowned B-town actress and is also known for her outspoken style. During a recent media interview, the actress made a shocking revelation about her debut film, revealing that the producers didn't pay her for it. It's worth noting that Radhika Apte's first film was with actor Shahid Kapoor. Let's find out what else Radhika had to say in this interview. Radhika Apte's big revelation - Actress Radhika Apte recently gave an interview to the Indian Express. During the interview, she made a shocking revelation about the producers of the Shahid Kapoor-starrer film Wah! Life Ho To Aisi. The actress said, "Those bad producers neither paid me nor arranged any accommodation for me. When my mother and I asked them to sign the contract, they said, 'Hey, even Urmila Matondkar didn't sign the contract.' I don't know whether she did or not, but they treated us very badly." Continuing her talk, Radhika also expressed her opinion about Wah! Life Ho To Aisi director Mahesh Manjrekar, saying, "To be honest, Mahesh Manjrekar was a very nice person. That's why I want to forget about our film." Because the production was very poor, and I don't hesitate to speak openly about it." Radhika Apte has discussed her debut film, Wah! Life Ho To Aisi. The actress believes that she never wants to remember it because of this bad experience. Radhika Apte will be seen in this movie - After the big screen, Radhika Apte has become a top OTT actress today. A few days ago, the actress's latest film, Saali Mohabbat, was released on the OTT platform ZEE5. In the coming days, Radhika's new OTT movie, Raat Akeli Hai 2, will be streamed online. You can watch this murder mystery thriller of the actress on the OTT platform Netflix.

Alia Bhatt's Uncle, 1920 Director Vikram Bhatt Arrested in 30 Crore Rupee Fraud Case

Vikram Bhatt, director of films like Raaz and 1920, appears to be in trouble. Recently, a man in Udaipur accused Alia Bhatt's uncle Vikram and his wife, along with six others, of fraud.

Following the court's decision, the couple has been taken into judicial custody by the police. Let's explore the entire matter: Vikram Bhatt accused of 30 Crore Rupee fraud; Police take him and his wife into judicial custody - FIR filed by Udaipur-based businessman Vikram Bhatt, director of films like Raaz and 1920, and his wife Shwetambari appear to be in trouble. On December 9th, a court in Udaipur remanded the director in police custody for seven days in connection with an alleged 30 Crore Rupee fraud case. On Tuesday, Vikram and his wife's lawyer requested the court to grant the director interim bail on medical grounds. Let us know what is this case related to fraud of Vikram Bhatt. The director will be sent to Udaipur Central Jail. Lawyer Manzoor Ali told news agency ANI, "The accused's lawyer had filed an application in the court for interim bail on medical grounds for the couple. If they are granted interim bail before the court session ends, they will be released for a period of time for medical treatment. Everything depends on the court order." However, following the lawyer's statement, DSP Suryaveer Singh told the news agency that the court has ordered Vikram Bhatt and his wife to be kept in judicial custody and they will now be sent to Udaipur Central Jail. The case involves Dr. Ajay Murdia, a resident of Udaipur and owner of the Indira Group of Companies. According to PTI reports, Murdia wanted to make a biopic on his late wife. He accused the director of promising him 200 crore rupees, but nothing materialized. Following this, Murdia filed a complaint at the Bhopalpura police station in Udaipur, alleging fraud and other charges. A complaint was filed on November 17th against Vikram Bhatt and six others, including his wife, alleging that one of the accused had defrauded him of ?30 crore (approximately $300 million) by making false promises about the film's production and its profits. Police stated that the fraud was committed by creating fake bills.

Dhurandhar sets a trap for 'Chawa', worldwide earnings jump sharply on Wednesday

After breaking the lifetime record of 'Saiyaara', Ranveer Singh-Akshay Khanna's film 'Dhurandhar' has now set a trap for 'Chawa' as the highest-grossing film of 2025. Earning at a breakneck pace on Wednesday, the film is inching closer to breaking 'Chawa's' record.

'Dhurandhar's worldwide earnings increased on Wednesday, leaving it ?143 crore away from breaking 'Chawa's' record - 'Dhurandhar' dominates the box office in 13 days. No film is now capable of catching up with 'Chawa' at the box office. From day one to day 13, the film's earnings have been increasing daily. The film, which earned ?437.25 crore at the domestic box office, is now very close to breaking 'Chawa's' record as the biggest film of 2025 worldwide. Inspired by real stories, 'Dhurandhar' had earned well at the box office worldwide on Tuesday, but on Wednesday the film has blown away the world. How much collection did the Ranveer Singh-Akshay Khanna starrer film make at the worldwide box office on the 13th day of its release and how many crores has the movie earned till now, see the collection numbers in detail below: Dhurandhar played a big bet in 13 days - Made in a budget of 250 crores, Dhurandhar would do good business at the domestic box office, it was expected after watching the trailer, but it is a bit surprising that the movie would do such amazing work worldwide. Despite being banned in 6 Gulf countries, the impact that the spy thriller film 'Dhurandhar' has left on the foreign audience can be gauged from the movie's earnings in 13 days. According to reports in Saiknali.com, Ranveer Singh's Dhurandhar, which started with Rs 32 crore, has earned Rs 664.5 crore worldwide in 13 days. If only Wednesday's earnings of the film are discussed, then the movie has earned Rs. 41 crores in a single day at the worldwide box office. 143 crores needed to break Chava's record - We all know that Vicky Kaushal and Rashmika Mandanna's film 'Chava' is the highest grossing Bollywood film of the year 2025, but with the speed that 'Dhurandhar' has picked up in 13 days, it seems certain that the record of this historical film which has collected Rs. 807 crores lifetime will be broken. To break Chava's lifetime record, Dhurandhar has to do business of only Rs. 143 crores globally. Talking about the overseas collection of this film, the movie has earned Rs. 140 crores only at the foreign box office before the completion of 20 days.